मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा

कामरूप दर्पण

दीपावली विशेषांक

Vol. I, Issue III, October' 2019

সুৰিয়া চিমেন্ট
দূৰ্গা পূজা
আৰু
দীপাৱলীৰ
শুভেচ্ছাৰে
SURYA
CONCRETEC
PORTLAND POZZOLONA CEMENT
(FLY ASH BASED)
Net Quantity 50 kg.
Cement & More
SURYA CONCRETEC
IS:1489
PART-1
CM/L-5393171
SURYA
GOLD
CEMENT
PORTLAND POZZOLONA CEMENT
(FLY ASH BASED)
PURBANCHAL CEMENT LTD.
Corporate Office: Megha Plaza, 2nd Floor, Basistha Chariali, Beltala, Guwahati 781029
Works: Vill. Sarutari, P.O Byrnihat, Via 14th Mile, G.S. Road(N.H-40),Dist. Kamrup, Assam-793101
Contact No: 9678017888 | www.suryagoldcement.com

शुभकामना-संदेश

यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा अपने मुखपत्र ''कामरूप दर्पण'' के दीपावली विशेषांक का प्रकाशन करने जा रही है। इससे पूर्व भी शाखा ने इस पत्रिका के दो अंक प्रकाशित की थी, जो आज भी मेरे मानसपटल पर अपनी उत्कृष्टता की वजह से अमित छाप बनाए हुए हैं। वैसे तो प्रांत की अनेक शाखाएं भी प्रतिवर्ष अपनी पत्रिका का प्रकाशन करती आई हैं, परंतु मुझे कहते हुए खुशी हो रही है कि कामरूप शाखा द्वारा प्रकाशित पत्रिका उन सभी में अद्वितीय है। आशा करता हूँ कि आगामी दिनों में प्रकाशित होने वाली यह पत्रिका इसी अनुरूप अपनी पहचान बनाए रख पाने में सफल रहेगी। पत्रिका के सम्पादक मंडल के सभी साथियों को इस हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ।

मधुसूदन सीकरिया
प्रांतीय अध्यक्ष
पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन

Maitree International

A Distributor house of following companies
Prestige, Funclean, Ocean, Neelam,
Asian, Jcpl & Clay Craft.

Address :

Shree Guru Press Building
(Near Pragjyoti Cinema Hall)
Maligaon, Guwahati - 781011 (Assam)

Contact :

Ranjit Kumar Barua
M.No. 94350 42313, 70860 42313, 78960 50206

E-mail : accounts@maitreeinternational.com

अध्यक्ष की कलम से

'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत'

'कामरूप दर्पण' का तृतीय संस्करण प्रकाशित हो रहा है, यह शाखा के लिए गौरव का विषय है। इसके संपादक श्री विनोद लोहिया को शाखा की ओर से धन्यवाद कि आपने अति महत्वपूर्ण कार्य को अति कम समय में प्रकाशित किया है तथा पाठकों के लिए इस मुखपत्र में ज्ञानवर्द्धक विषयों को समाहित कर इसकी गुणवत्ता में वृद्धि की है।

'माता भूमि : पुत्रो अहं पृथिव्या ...' पृथ्वी के संवर्धन, संरक्षण हेतू 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस आयोजित किया गया, जिसमें 300 से अधिक मूल्यवान वृक्षों को विभिन्न सामाजिक संगठनों, स्थानीय नागरिकों, विद्यालयों एवं सदस्यों के सहयोग से रोपा गया। सामाजिक दायित्व बोध शाखा के प्रत्येक सदस्य के हृदय में है और उसी को ध्यान मे रखते हुए बाढ़ पीड़ितों के लिए गुवाहाटी के निकट चंद्रपुर क्षेत्र में 25 जुलाई को बाढ़ सामग्री वितरित की गई।

राष्ट्रीय भावना हर भारतीय के हृदय में है और शाखा ने प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 15 अगस्त को शाखा द्वारा गोद ली गई 'आठगांव चाबीपुल प्राथमिक विद्यालय' के प्रांगण में बच्चों के बीच उपहार सामग्री वितरित कर हर्षोलास के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया।

सामाजिक उत्थान हेतू शाखा समाज के बच्चों को एक ऐसा पटल एवं स्थान देने का प्रयास किया गया, जो मील का पत्थर साबित हुआ। 'एक खोज... प्रतिभा की' कार्यक्रम में समाज के बच्चों ने कला, संगीत, नृत्य प्रतियोगिता में भाग लिया एवं जानी-मानी हस्तियों के निर्णायकत्व में पुरस्कार प्राप्त करने में सक्षम रहे।

'सेवा परमो धर्म:' के महावाक्य को लक्ष्य कर मेरे कार्यकाल के प्रथम 6 महीनों में शाखा द्वारा अनेकों प्रकल्प के द्वारा सम्मेलन को अभिषिक्त किया गया। समाज हित में शाखा द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें समाजबंधुओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिए। मिशन कचरा मुक्त गुवाहाटी परियोजना में शाखा द्वारा जन जागरूकता हेतु प्रचार पत्र वितरित कर लोगों को जागरूक करने की कोशिश की गई।

आगामी जनवरी महीने में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन का अधिवेशन डिब्रुगढ़ में आयोजित होगा एवं इस अधिवेशन में नए प्रांतीय अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा। यदि इस अधिवेशन हेतू शाखा सदस्य अपना कोई सुझाव देना चाहते हैं जैसे कि संविधान में संशोधन, कार्यक्रमों में संशोधन इत्यादी तो आप शाखा अध्यक्ष या शाखा मंत्री को सूचित कर अपना अनमोल परामर्श देकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं।

दीपावली के शुभ अवसर पर शाखा सदस्यों के लिए एक पारिवारिक मिलन समारोह आयोजित किया जा रहा है, जिसमें आप सभी अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

निरंजन सीकरिया
अध्यक्ष
मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा

Earthsy offers an assortment of eco-friendly, daily-use products from Northeast India that can very well replace the plastic-wares that never promised us a healthy Earth.

earthsy
BACK TO OUR ROOTS

Our products includes:
Bamboo items - Straws, toothbrushes, amplifiers, coffee mugs, beer mugs, storage boxes, lampshades, desk organisers, planters, pen stands etc.
Jute Bags and Folders
Water Hyacinth baskets, bags and mats.

www.earthsy.in

earthsy.in | earthsy.in | earthsy.india@gmail.com | +91-8486703560

Sahanaiii

This **FESTIVE** and **WEDDING** season,

SHOP
the latest collection
of **ETHINC ATTIRES**
from **SAHANAIII**

2nd Floor, Shoppers Point, Hem Baruah Rd, Shopper's Point, Fancy Bazaar, Guwahati, Assam 781001 | 97063 08036

संपादकीय

दीपवाली की हार्दिक शुभकामनाएं...

मारवाड़ी सम्मलेन के उद्देश्यों के प्रति समर्पित कामरूप शाखा निरन्तर नए आयाम स्थापित कर रही है। इसकी सदस्य संख्या 300 पार कर चुकी है। हाल में ही संपन्न 'एक खोज...प्रतिभा की...' कार्यक्रम इसका ज्वलंत उदहारण है, जिसकी बदौलत समाज की कई प्रतिभाओं को समाज से रुबरु होने का मौका मिला।

एनआरसी की फाइनल लिस्ट जारी हो गई है। सम्मलेन के प्रयासों से बहुतों के नाम एनआरसी की लिस्ट में शामिल हो पाए हैं। कइयों के धन्यवाद् के फोन एनआरसी हेल्पडेस्क के कार्यकर्ताओं के पास आए तो कुछ एक ने मिठाइयां तक भेजीं। जिनके नाम नहीं शामिल हुए हैं, उनके विषय में भी चिंतन किया जा रहा है। समयानुकूल शाखा अपनी भूमिका निभाएगी।

असम समझौते की धारा-6 के बारे में मारवाड़ी समाज में चेतना नगण्य है, जिसके बारे में जन साधारण को जागरूक होना चाहिए। इस अंक में उक्त विषय पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मलेन के पूर्व प्रांतीय महामंत्री श्री प्रमोद जी तिवाड़ी का एक लेख आपके चिंतन के लिए प्रस्तुत है, जिसे समाज के हर जन साधारण को अवश्य पढ़ना चाहिए और उसके दूरगामी प्रभाव को समझने के चेष्टा करनी चाहिए। हर मारवाड़ी संस्था को इस विषय पर अपनी राय बनानी चाहिए।

चुनाव आयोग ने 1 सितंबर 2019 से 15 अक्टूबर 2019 तक मतदाता सूची जांच कार्यक्रम चला रखा है। www.nvsp.in के माध्यम से मतदाता सूचि में संशोधन किया जा सकता है, नए नाम शामिल किए जा सकते हैं अथवा मृत व्यक्ति के नाम को हटाया जा सकता है। मतदान के महत्व को समझते हुए वेबसाइट पर जा कर अपने डिटेल्स की जांच करें और जरूरी हो तो संशोधन करें।

गांधीजी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है, यह एक सामयिक विषय नहीं है और न ही इसे सिर्फ सरकार या संस्थाओं के जिम्मे छोड़ा जा सकता है, बल्कि हर व्यक्ति विशेष को अपनी भूमिका तय करनी होगी। पूरे भारत के लगभग 500 शहरों में इंदौर शहर ने निरंतर तीन वर्षों तक सबसे स्वच्छ शहर होने का गौरव पाया है, जो कि जन सहभागिता के बिना असंभव है। गुवाहाटी पूर्वोत्तर क्षेत्र का प्रवेश द्वार है, पूर्वोत्तर के लोगों के लिए गुवाहाटी प्रेरणा हो सकती है। कूड़ेदान का उचित प्रयोग, सिंगल यूज प्लास्टिक से निजात पाने के साथ-साथ ट्रैफिक नियमों का पालन करना जरूरी है।

'कामरूप दर्पण' के मुद्रण, संपादन एवं नियमित प्रकाशन में निरंतर सहयोग के लिए मैं निवर्तमान अध्यक्ष श्री पवन कुमार जाजोदिया का हृदय से अभारी हूँ। kamrupdarpan@gmail.com पर आपके सुझाव, प्रतिक्रिया व आलोचना के इंतजार में .....

विनोद कुमार लोहिया
संपादक, कामरूप दर्पण
संपर्क सूत्र : 94351 06500

AUTHORISED DEALER:

TAPARIA, MIRANDA, JK SUPER DRIVE, TOTEM, GRINDWELL, NORTON,FORTE, NAVIN WIRE ROPES, JHALANI, PRIMA, ORION WIRE ROPES, POWER-ARC WELDING MACHINES, SAK ABRASSIVES, FERRETERRO LIFTING TOOLS

Deals in : •Industrial Materials •Hand & Workshop Tools •Welding Goods •Wire Ropes & Accessories •Power Tools• Safety Products •Cutting Tools • Lifting Tools etc.

ARUN INDUSTRIAL STORES

Kejriwal Complex, Sharma Gali, Athgaon
Guwahati-781001 (Assam)
: 08105841531 / 9864067571
Email: arun_industrial@rediffmail.com

ARUN MACHINERY STORES

Shop No. 3, Sikaria Building, A.T. Road
Guwahati-781001 (Assam)
: 9435118755 / 0361-2634291
Email : arun_machinery@rediffmail.com

प्रमोद तिवाड़ी

असम समझौते की धारा-6 और मारवाड़ी समाज

राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को लेकर छाई हुई धुंध अभी छंटी भी नहीं है कि राज्य की फिजा में असम समझौते की धारा-6 की गूंज सुनाई पड़ने लगी है। राज्य की सभी जनगोष्ठी, जाति-उपजाति, भाषा व धर्म के लोग इस मसले को लेकर चिंतित और आंदोलित हैं। ऐसा होना स्वाभाविक भी है। दरअसल, धारा-6 एक ऐसा मुद्दा है, जिसमें राज्य के सामाजिक, राजनीतिक व अर्थनीतिक तानेबाने को बदल देने का माद्दा है। पर राजनीतिक चेतना के अभाव में राज्य का मारवाड़ी समाज इस अति संवेदनशील मुद्दे से संबंधित समूचे विमर्श में हमेशा की तरह शुतुरमुर्गी आचरण करता दिख रहा है। मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय इकाई ने जरूर धारा-6 के क्रियान्वयन के लिए गठित जस्टिस बिप्लब शर्मा कमेटी के सामने लिखित रूप से मारवाड़ी समाज का पक्ष रखा है, पर इसके अलावा अपने हितों पर सोने वाले समाज ने निरवता की चादर ही ओढ़ रखी है। मालूम हो कि असम समझौते की धारा-6 को लागू करने के लिए भारत सरकार ने गत 15 जुलाई को एक अधिसूचना जारी करके सेवानिवृत्त न्यायाधीश बिप्लब कुमार शर्मा की अगुवाई में एक 13 सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति गठित की है। समिति के कामकाज और उसके अधिकारों की बात करने के पहले असम समझौते की धारा-6 को समझना जरूरी है।

साल 1979 में विदेशियों को खदेड़ने के लिए शुरू हुए असम आंदोलन की परिणिति असम समझौते के रूप में तब हुई, जब केंद्र की राजीव गांधी सरकार, अखिल असम छात्र संघ (आसू) तथा अखिल असम गण संग्राम परिषद के प्रतिनिधियों द्वारा एक समझौते (memorandum of settlement) पर दस्तखत किए गए। असम समझौते में कुल 15 धाराएं हैं, जिनमें धारा-6 को लेकर पिछले लगभग 34 वर्षों से असमंजस और ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है। इस धारा के अनुसार असमिया लोगों की सांस्कृतिक, सामाजिक, भाषाई पहचान व विरासत को सुरक्षित, संरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए जरूरी संवैधानिक, विधायी और प्रशासनिक उपाय किए जाएंगे। इस धारा को लागू किए जाने की दिशा में पिछले 34 वर्षों में कई कदम उठाए गए, जिनमें गुवाहाटी में श्रीमंत शंकरदेव कला क्षेत्र का निर्माण, ज्योति चित्रवन स्टूडियो का आधुनिकीकरण, राज्य के वैष्णव सत्रों का जीर्णोद्धार आदि प्रमुख हैं। परंतु धारा में वर्णित असमिया शब्द की सटीक व सर्वमान्य परिभाषा तय नहीं होने के कारण 'असमिया लोगों' को संवैधानिक कवच अब तक प्रदान नहीं किया जा सका है। गौरतलब है कि पिछले दो-तीन दशकों में असम की विभिन्न जनजातियों ने एक-एक कर स्वयं को असमिया वृत से बाहर कर लिया। इसके लिए असमिया वर्चस्ववाद (assamese hegemony) को दोषी ठहराया जाता रहा है। कारण चाहे जो भी हो, असम के मूल निवासियों (aboriginals) द्वारा स्वयं को असमिया पहचान से अलग कर लेने से इस धारा को अक्षरश: लागू करना और भी मुश्किल हो गया। इस बीच 'असमिया' शब्द की सर्वमान्य परिभाषा गढ़ने के सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर कई प्रयास हुए। कई समितियां बनीं। विभिन्न राजनीतिक दलों, असम साहित्य सभा, छात्र संस्थाओं व अन्य हितधारकों ने 'असमिया' को परिभाषित करने की कोशिशें कीं, पर नतीजा सिफर रहा। केंद्र की मोदी सरकार ने इस विषय पर दिलचस्पी दिखलाते हुए इसी वर्ष 2 जनवरी को सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एमपी बेजबरुवा की अगुवाई में एक 9 सदस्यीय समिति गठित की थी, पर नागरिकता कानून संशोधन बिल (कैब) के विरोध में अधिकांश सदस्यों ने समिति से किनारा कर लिया। अब एक बार फिर केंद्र सरकार ने गत 15 जुलाई को एक अधिसूचना जारी कर गौहाटी उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बिप्लब कुमार शर्मा के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय कमेटी गठित की है। उक्त कमेटी को धारा-6 से संबंधित अपनी रिपोर्ट छह महीने में सौंपने का निर्देश दिया गया है।

सिर मुड़ाते ही ओले पड़ने की कहावत को चरितार्थ करते हुए शर्मा कमेटी अपने गठन के साथ ही विवादों के घेरे में आ गई। विभिन्न हितधारकों (stakeholders) ने कमेटी पर अपने अधिकार क्षेत्र (mandate) का अतिक्रमण करने का गंभीर आरोप लगाया है। उल्लेखनीय है कि उक्त कमेटी के गठन की अधिसूचना जारी करने के साथ ही उसके विचारार्थ विषय (terms of reference) तय कर दिए गए थे। भारत सरकार के आधिकारिक गजट के अनुसार शर्मा कमेटी के अधिकार क्षेत्र में निम्नलिखित विषय आते हैं :

1. समिति असम समझौते की धारा 6 को कार्यान्वित करने के लिए वर्ष 1985 से की गई कार्रवाइयों की प्रभावकारिता की जांच करेगी।
2. समिति सामाजिक संगठनों, विधि एवं संवैधानिक विशेषज्ञों, कला-संस्कृति और साहित्य के क्षेत्र के सुविख्यात व्यक्तियों, संरक्षणवादियों, अर्थशास्त्रियों, भाषाविदों तथा समाजशास्त्रियों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ विचार-विमर्श करेगी।
3. समिति असमिया लोगों के लिए असम विधानसभा तथा स्थानीय निकायों में सीटों के आरक्षण के समुचित स्तर का आकलन करेगी।
4. समिति असमिया और असम की अन्य स्थानीय भाषाओं को संरक्षण प्रदान करने के लिए किए जाने वाले उपायों का भी सुझाव देगी।
5. समिति असमिया लोगों के लिए असम सरकार के अंतर्गत रोजगार में आरक्षण के उपयुक्त स्तर की सिफारिश करेगी।
6. समिति असम के लोगों की सांस्कृतिक, सामाजिक, भाषाई पहचान और विरासत को सुरक्षित, संरक्षित और संवर्धित करने के लिए आवश्यक अन्य उपायों का सुझाव देगी।

इस बीच जस्टिस शर्मा कमेटी ने बाकायदा राज्यभर के अखबारों में विज्ञापन के जरिए सूचना देकर विभिन्न हितधारकों, सभा-संगठनों व गणमान्य व्यक्तियों से असम समझौते की धारा-6 के क्रियान्वयन को लेकर उनके विचार आमंत्रित किए। कमेटी के सामने विचार रखने की अंतिम तारीख गत 20 सितंबर थी, जिसे बढ़ाकर 5 अक्तूबर कर दिया गया था। राज्य के कई संगठनों व व्यक्तियों ने उक्त कमेटी के सामने अपना पक्ष रखा भी है, पर इसके साथ ही उस पर अपने अधिकार क्षेत्र के उल्लंघन के भी आरोप लगने लगे हैं। लोगों की शिकायत है कि केंद्र सरकार ने कमेटी के विचारार्थ जो मुद्दे रखे हैं, वह उनसे कहीं आगे जाकर लोगों की राय मांग रही है। उल्लेखनीय है कि शर्मा कमेटी ने अखबारों में विज्ञापन देकर निम्नलिखित विषयों पर लोगों की राय जाननी चाही है :

1. असम की खिलंजीया (indigenous) जनजातियों, खिलंजीया असमिया एवं राज्य के अन्य खिलंजीया लोगों के लिए संसद, असम विधानसभा और स्थानीय निकायों में

मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा
का एक स्थायी प्रकल्प
परिणय वंधन
मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा
म्हारो लक्ष्य - राष्ट्र री प्रगति
विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए जीवनसाथी की खोज हेतु
मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा की वेबसाइट
www.sammelankamrupsakha.com
पर रजिस्टर/लॉग इन कर उपयुक्त वर-वधु की तलाश करें।
अधिक जानकारी हेतु 60001 02017 पर संपर्क करें।
इस जानकारी का सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक
प्रचार-प्रसार करें ताकि समाजबंधु इसका लाभ उठा सकें।

Flixo paints
Aapke deewaron ka True Friend
GUARD XT
FLIXO SMART
FLIXO PRIME
WHITE CEMENT BASED WALL PUTTY
ACRYLIC PUTTY
WATER PROOF CEMENT PAINTS
CONSTRUCTION SOLUTIONS
PRITHVI PAINTS INDUSTRY
info@flixopaints.com | Web: www.flixopaints.com | Ph: +91 91278 01636/37/38

सीटों के आरक्षण की सुविधा प्रदान।

2. असमिया एवं अन्य स्थानीय खिलंजीया भाषाओं को सुरक्षा प्रदान की व्यवस्था।
3. असम सरकार, केंद्रीय सरकार, अर्द्धकेंद्रीय सरकार, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और व्यक्तिगत प्रतिष्ठान के कार्यालयों में रोजगार आरक्षण की सुविधा।
4. असम की खिलंजीया जनजातियों, खिलंजीया असमिया एवं राज्य के अन्य खिलंजीया लोगों की सांस्कृतिक, सामाजिक, भाषाई पहचान एवं विरासत के संरक्षण के लिए उचित कदम उठाना।
5. असम की खिलंजीया जनजातियों, खिलंजीया असमिया एवं राज्य के अन्य खिलंजीया लोगों के भूमि अधिकारों के लिए सुरक्षा व्यवस्थाएं।

शर्मा कमेटी के विचारार्थ रखे गए विषय (terms of reference) एवं कमेटी द्वारा विभिन्न श्रेणी के लोगों से जिन मुद्दों पर राय मांगी गई है, उनमें बुनियादी फर्क साफ नजर आता है। मसलन, कमेटी के विचारार्थ रखा गया है कि वह असमिया लोगों के लिए असम विधानसभा तथा स्थानीय निकायों में सीटों के आरक्षण के समुचित स्तर का आकलन करेगी, जबकि कमेटी द्वारा जारी अखबारी विज्ञापनों में असम की खिलंजीया (indigenous) जनजातियों, खिलंजीया असमिया एवं राज्य के अन्य खिलंजीया लोगों के लिए संसद, असम विधानसभा और स्थानीय निकायों में आरक्षण की सुविधा दिए जाने की बात कही गई है। गौरतलब है कि खिलंजीया शब्द का व्यवहार असम समझौते की धारा-6 में भी कहीं नहीं हुआ है। ऐसे में खिलंजीया शब्द और पेचीदगियां ही पैदा करेगा। वह भी तब जब अभी तक तमाम प्रयासों के बाद भी 'असमिया' शब्द को परिभाषित नहीं किया जा सका है। अधिकार क्षेत्र के अतिक्रमण की तोहमत कमेटी द्वारा जारी सार्वजनिक सूचना के तीसरे बिंदु को लेकर भी लग रही है। इसमें असम सरकार, केंद्रीय सरकार, अर्द्ध केंद्रीय सरकार, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और व्यक्तिगत प्रतिष्ठान के कार्यालयों में रोजगार आरक्षण सुविधा की बात कही गई है, जबकि उच्च स्तरीय समिति के विचारार्थ जो मुद्दे रखे गए हैं, उनमें कहा गया है कि समिति असमिया लोगों के लिए असम सरकार के अंतर्गत रोजगार में आरक्षण के उपयुक्त स्तर की सिफारिश करेगी। इतना ही नहीं, कमेटी द्वारा जारी इश्तहार में असम की खिलंजीया जनजातियों, खिलंजीया असमिया और अन्य खिलंजीया लोगों के भूमि अधिकारों की सुरक्षा के लिए व्यवस्था करने की बात है, जबकि ऐसी किसी बात का उल्लेख सरकार द्वारा जारी अधिसूचना में नहीं है। अपने अधिकार क्षेत्र के इस सायास अतिक्रमण से कमेटी की मंशा ही शक के घेरे में आ जाती है।

हमारा स्पष्ट मत है कि अगर किसी नस्ल, जाति या वर्ण के लोग बाहरी लोगों की जनसंख्या के बढ़ते दबाव के कारण अपनी ही भूमि पर अल्पसंख्यक हो जाते हैं और विकास की दौड़ में उनके हाशिए पर जाने का खतरा मंडराने लगता है तो आधुनिक समाज को उनकी जातिगत व नस्लीय विशिष्टताओं की सुरक्षा और संरक्षण की गारंटी देनी चाहिए। अपनी इस स्थापना को और स्पष्ट करें तो हम कह सकते हैं कि अगर कोई जाति या नस्लीय समूह अपनी ही जमीन पर बेगाना हो जाता है तो इसका मतलब यह नहीं होना चाहिए कि वहां के जल, जंगल और जमीन पर उसका पहला हक खत्म हो गया है। इन्हीं तर्कों की बिना पर हम असम समझौते की धारा-6 का तहेदिल से समर्थन करते हैं। असमिया लोगों को संवैधानिक सुरक्षा मिले इस पर कोई विवाद नहीं है और होना भी नहीं चाहिए। कोई भी नहीं चाहेगा कि दिसपुर के तख्त पर कभी भी कोई ऐसा व्यक्ति काबिज हो जो या जिसके पुरखे अवैध रूप से सीमा लांघ कर राज्य में घुसे हों। इस लिहाज से असमिया लोगों को राज्य विधानसभा एवं स्थानीय निकायों में आरक्षण की सुविधा मिलनी ही चाहिए। यह सुविधा देश के अन्य राज्यों से आकर असम में स्थायी रूप से बसने वाले लोगों को भी उनकी आबादी की अनुपात में दी जानी चाहिए। जहां तक असम की भाषा और संस्कृति की बात है तो इनके संरक्षण के भी पर्याप्त उपाय किए जाने चाहिए। रही बात भूमि अधिकारों की, तो इस मुद्दे पर सभी संबंधित पक्षों को लचीला रूख अपनाना होगा। अपनी एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत भारत सरकार असम सहित पूर्वोत्तर को दक्षिण-पूर्वी एशिया का गेट-वे बनाना चाहती है। अगर सरकार की यह कोशिश अमली जामा पहनी है तो निश्चित रूप से क्षेत्र का कायाकल्प हो जाएगा। भारी निवेश के रूप में बड़े उद्योग यहां आएंगे और उनकी छत्रछाया में छोटे कल-कारखानों का भी विकास होगा। इससे बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होगा। सोचने वाली बात यह है कि उद्योग लगाने के लिए काफी भूमि की जरूरत होगी। उच्च स्तरीय शर्मा कमेटी अगर भूमि हस्तांतरण की राह में रोड़े लगाती है तो इस क्षेत्र का औद्योगिकीकरण एक दिवास्वप्न बनकर रह जाएगा। यह सही है कि राज्य की भूमि के बड़े भाग पर अवैध घुसपैठिए काबिज हो गए हैं, पर भूमि अधिकार संबंधी नीति लाने से पहले सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि उद्योग, कल-कारखानों व व्यापार-वाणिज्य के लिए जमीन की कमी आड़े न आए। यह काम तनी हुई रस्सी पर चलने से कम नहीं है। यही बात रोजगार पर लागू होती है। बड़े स्तर पर औद्योगिक गतिविधियों के लिए दक्ष कामगारों की जरूरत होती है। प्रबंधन के क्षेत्र में भी विशेष महारथ हासिल लोगों की सेवाएं लेनी पड़ती है। ऐसे लोग कई बार स्थानीय स्तर पर उपलब्ध नहीं होते और इन्हें बाहर से लाना पड़ता है। इसके अलावा भारत के दूसरे राज्यों से आकर असम में स्थायी रूप से बस गए लोगों के अधिकारों की भी बात है। पीढ़ियों से यहां रच-बस गए ऐसे लोगों का भी राज्य के संसाधनों पर हक बनता है।

इस समूचे विमर्श में जहां तक असम के मारवाड़ी समाज की बात है तो यह जान लेना जरूरी है कि मारवाड़ी समाज राज्य का सूक्ष्म अल्पसंख्यक (microscopic minority) समुदाय है। एक मोटे अनुमान के मुताबिक मारवाड़ियों की आबादी राज्य की कुल आबादी का बमुश्किल एक फीसदी है। पर राज्य के सामज जीवन के प्रत्येक अंग पर इस समुदाय की अमिट छाप साफ दृष्टिगोचर होती है। राजपुताना से असम आने के बाद इस कर्मठ समाज ने यहां के आर्थिक क्षेत्र के शून्य को तो भरा ही, असम के लिए अपने सरोकारों के प्रति संजीदगी एवं संवेदनशीलता का परिचय देते हुए यहां की कला-संस्कृति व भाषा-साहित्य के विकास में भी अतुलनीय योगदान दिया। सेवा मारवाड़ियों का संस्कार है। अलबत्ता, राज्य भर में मारवाड़ियों द्वारा या मारवाड़ी समाज के सहयोग से निर्मित स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, अस्पताल, नामघर, पुस्तकालय, कम्युनिटी हॉल जैसे अनेकानेक प्रकल्प इस समाज के योगदान का मौन कीर्तिगान करते दिखलाई पड़ते हैं। जिस असम आंदोलन की परिणति असम समझौते में हुई, उसका भी इस समाज ने तन-मन-धन से समर्थन किया था।

संप्रति आज यह समाज वृहत्तर असमिया जाति का अभिन्न अंग बन गया है। लिहाजा, असमिया जाति को विदेशियों की जनसंख्या के दबाव से बचाने के लिए दिए जा रहे संवैधानिक सुरक्षा कवच की आड़ में मारवाड़ियों के मौजूदा राजनीतिक, भूमि व रोजगार के अधिकारों का क्षरण न हो, सभी संबंधित पक्षों द्वारा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। यह तब और भी जरूरी हो जाता है, जब राज्य का मारवाड़ी समाज खुले दिल से असम समझौते की धारा-6 के क्रियान्वयन के पक्ष में हो। चूंकि यह मामला बेहद जटिल है, कई स्तरों पर की गई कोशिशों के बाद भी असमिया शब्द की सर्वमान्य परिभाषा अभी भी स्पष्ट नहीं है, ऐसे में मामले के हल के लिए कट ऑफ डेट तय किए जाने का ही विकल्प बचता है। और वह कट ऑफ डेट असम समझौते द्वारा मान्यता प्राप्त 25 मार्च 1971 ही हो सकती है।

इस आधार पर 25 मार्च 1971 के पहले असम में बसने वाले सभी लोगों को असमिया मानकर असम समझौते की धारा-6 के फायदों का साझेदार बनाया जा सकता है। इसके इतर कोई भी समाधान देश के संघीय ढांचे एवं संविधान के प्रतिकूल होगा। आशा की जानी चाहिए कि शर्मा कमेटी बड़े व खुले दिल से इस गंभीर मसले पर मारवाड़ी समाज की आशाओं, अपेक्षाओं व आकांक्षाओं का संज्ञान लेगी। ●

मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा ने मनाया 73वां स्वतंत्रता दिवस

मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा ने 15 अगस्त 2019 को स्थानीय आठगांव चाबीपुल प्राथमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के साथ बड़े हर्षोल्लास के साथ विद्यालय परिसर में 73वां स्वतंत्रता दिवस विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया। स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ ध्वजारोहण से हुआ। इस मौके पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री अशोक अग्रवाल, प्रांतीय महामंत्री श्री राजकुमार तिवाड़ी, प्रांतीय संगठन मंत्री श्री कृष्ण कुमार जालान उपस्थित थे।

शाखा की बंधुत्व विकास समिति के संयोजक श्री रतन कुमार अग्रवाला ने असमिया भाषा में स्वागत भाषण दिया। शाखाध्यक्ष श्री निरंजन कुमार सीकरिया ने देशवासियों, विद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों को तथा उपस्थित समस्त सदस्यों एवं प्रांतीय पदाधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई देते हुए स्वतंत्रता सेनानियों एवं जवानों को नमन किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हम पिछले तीन वर्षों से विद्यालय प्रांगण में इस राष्ट्रीय पर्व एवं शाखा स्थापना दिवस की खुशी मनाते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय के इन बच्चों के साथ खुशियां मनाने का एक अलग ही अनुभव होता है। उन सभी बच्चों को जो खुशी मिलती है यह बयान करना भी मुश्किल है।

विद्यालय को प्रधानाध्यापक ने कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा पिछले तीन वर्षों से विद्यालय में हमारे साथ स्वतंत्रता दिवस का आयोजन करती आ रही है। मैं विद्यालय के समस्त शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की ओर से शाखा को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि आप लोग इतने सुंदर तरीके से नाना प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। हम सभी आप द्वारा विद्यालय के लिए किए गए विकास कार्यों को कभी भूल नहीं पाएंगे। हमारे अलावा विद्यालय के बच्चे भी हर दिन हर रोज आप लोगों को याद करते रहते हैं।

प्रांतीय अध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया ने स्वाधीनता दिवस एवं शाखा स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कामरूप शाखा के गठन से ही हर रोज नए-नए कार्यक्रमों का आयोजन कर, हर रोज नई ऊंचाइयां हासिल करती आ रही हैं। आज शाखा ने स्वच्छ भारत अभियान के प्रति जागरूकता लाने के लिए समाजबंधुओं को प्रोत्साहित करेगी। शाखा स्थापना दिवस पर आगामी 18 अगस्त, रविवार को निःशुल्क स्वस्थ जांच शिविर का आयोजन करेगी।

प्रांतीय महामंत्री श्री राजकुमार तिवाड़ी ने कहा कि आज तक इतने कार्यक्रमों में शामिल हुआ, लेकिन स्थानीय भाषा में स्वागत भाषण देते कहीं नहीं देखा। शाखा सदस्यों की कर्मठता देखते हुए बिना तारीफ किए नहीं रह सकते। श्री अशोक कुमार अग्रवाल ने कहा कि देश-भक्ति गीतों से उपस्थित समस्त लोगों एवं बच्चों का मन मोह लिया।

सभा के दौरान स्वच्छ भारत अभियान के अधिक प्रचार हेतु स्वच्छ भारत प्रहरी नामक एक लिफलेट वितरण किया गया, जो समस्त गुवाहाटीवासियों के बीच घर-घर में वितरित किया जाएगा। नगरवासियों हेतु एक स्वस्थ जांच शिविर आगामी 18 अगस्त, रविवार को स्थानीय अग्रवाल विवाह भवन में आयोजित किया जाएगा, जो समाजबंधुओं हेतु संपूर्ण निःशुल्क रहेगा। यह शिविर एस.आर.एल. डायग्नोस्टिक एवं चिकित्सा डायग्नोस्टिक के साथ संयुक्त रूप से किया जाएगा। अतः कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के 6 बच्चों को पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। अन्य सभी बच्चों को स्वतंत्रता एवं शाखा स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रेनकोट, जूते, पेंसिल बॉक्स, वाटर कलर, पेंसिल, नाश्ता, जूस, पानी आदि उपहार स्वरूप दिया गया।

कार्यक्रम का संचालन निवर्तमान अध्यक्ष श्री पवन कुमार जाजोदिया ने किया। अंत में शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया ने सभी उपस्थित समाजसेवियों, प्रांतीय पदाधिकारियों, विद्यालय के शिक्षकों एवं अभिभावकों को एक बार फिर 73वें स्वतंत्रता दिवस एवं 5वां शाखा स्थापना दिवस की बधाई देते हुए धन्यवाद दिया। उन्होंने इस बार कार्यक्रम में बड़े पैमाने में शाखा सदस्यों की उपस्थिति पर अपनी खुशी जाहिर की। ●

उपलब्धि

मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा इस उपलब्धि पर इनका अभिनंदन करते हुए उत्तरोत्तर नई ऊंचाइयों को छूने की शुभकामनाएं देता है। मारवाड़ी समाज को आप पर गर्व है....।

सीए आयुष सराफ

को गौहाटी विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग की ओर से Ph.D प्रदान की गई है। उन्हें यह डिग्री Impact of Indian Accounting Standards implementation in the financial statements of select National Stock Exchange listed Companies विषय में किए गए शोध के लिए मिली है। डॉ. सराफ वर्तमान समय में गुवाहाटी शहर में सीए के तौर पर पैक्टिस कर रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने कंपनी सेक्रेटरी (सीएस) और वकालत (एलएलबी) की डिग्री भी हासिल की है। सीए आयुष सराफ महानगर के व्यवसायी श्री राजकुमार सराफ और श्रीमती आशा सराफ के सुपुत्र हैं।

श्रीमती अनुभूति देवड़ा

को गौहाटी विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग की ओर से Ph.D प्रदान की गई है। उन्हें यह डिग्री Study of Measuring Competitiveness of Local Brands with respect to National and Global Brands in Processed Food Industry विषय में किए गए शोध के लिए मिली है। श्रीमती अनुभूति देवड़ा आश्रय कांसेप्ट फूड के श्री अमृत देवड़ा की पत्नी तथा श्री रमेश चंद जैन (चेयरमैन, सेबा) और श्रीमती अंजना जैन की पुत्री एवं स्वर्गीय अशोक देवड़ा और श्रीमती सविता देवड़ा की पुत्रवधू है।

स्वच्छ भारत अभियान में शिरकत

स्वच्छ भारत अभियान के तहत *आमार असम स्वच्छ असम* कार्यक्रम के तहत असम पुलिस ने फैंसी बाजार के चाय गली व एमएस रोड में सफाई अभियान चलाया। गुवाहाटी पुलिस आयुक्त दीपक कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान के तहत चाय वालों, सब्जी वालों एवं राह चलते राहगीरों को स्वच्छता के महत्व के बारे में समझाया। इस अवसर पर उनके साथ गुवाहाटी के संयुक्त पुलिस आयुक्त देवराज उपाध्याय, खुफिया और सुरक्षा विभाग के डीसीपीबीएम राजखोवा, डीसीपी सेंट्रल रिपुल दास, एडीसीपी सेंट्रल गुनींद्र डेका, एसीपी पान बाजार प्रहरी कुंवारी, पान बाजार थाना प्रभारी हेमंत दास, फैंसी बाजार थाना प्रभारी पंकज प्रतिम महंत, सीमा सुरक्षा बल के असिस्टेंट कमांडेंट सतीश कुमार, सशस्त्र सीमा बल के असिस्टेंट कमांडेट ओम प्रकाश उपस्थित थे। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा के अध्यक्ष श्री निरंजन सीकरिया ने स्वच्छ भारत जागरूकता अभियान के तहत स्वच्छ भारत प्रहरी (मिशन कचरा मुक्त गुवाहाटी) नामक प्रपत्र वितरित किया। पपत्र में समस्त गुवाहाटीवासियों को उनकी जिम्मेदारियों के बारें में अवगत कराया गया। स्वच्छता महानगरवासियों की अटूट जिम्मेदारी है। पपत्र में महानगरवासियों के लिए स्वच्छता से संबंधित जिम्मेदारियां शामिल की गई है। ●

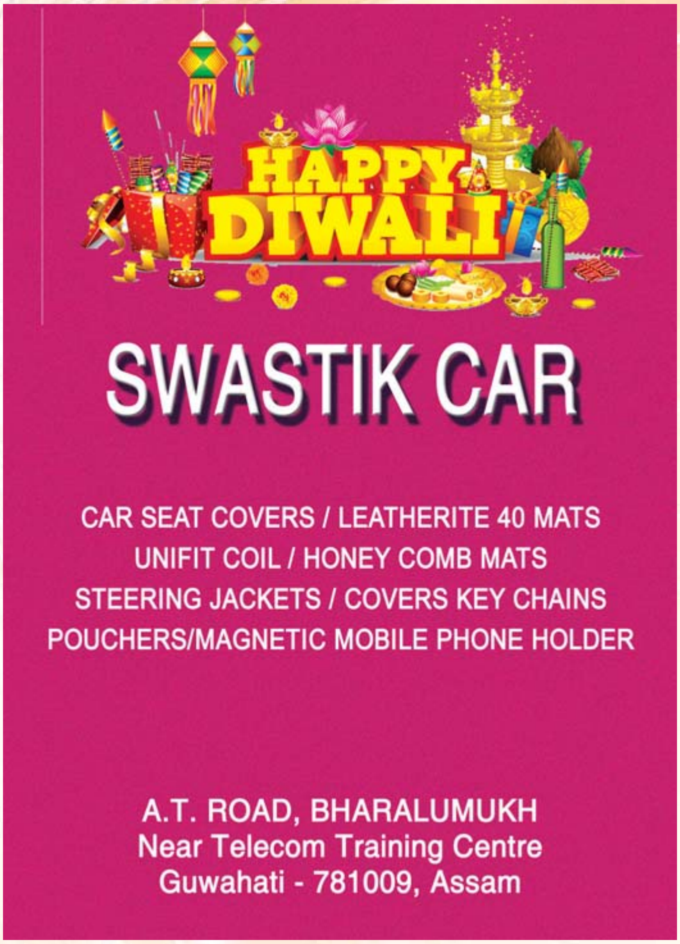

स्वच्छ भारत प्रहरी

(राष्ट्र के जिम्मेदार नागरिकों द्वारा एक पहल)

मिशन : कचरा मुक्त गुवाहाटी

इस संदेश से नागरिकों को उनकी जिम्मेदारियों के बारे में अवगत किया गया है। इस मिशन को पूरा करना न केवल सरकारी अधिकारियों व गैर-सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ) की, बल्कि पूरे महानगरवासियों की जिम्मेदारी है। हमें आपसे बिना शर्त समर्थन की आवश्यकता है। कृपया लोगों को जागरूक करने के लिए इस संदेश को विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप व प्रतियां वितरित कर प्रचारित करें।

गौरतलब है कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2019 के अनुसार हमारा शहर स्वच्छता के मामले में 303 पायदान पर रहा, जो कि दु:खद है और हम (नगरवासी) इस निम्न स्तर के लिए जिम्मेदार हैं। अब हमारा यह कर्तव्य है कि हम स्वच्छता के लिए मिलकर काम करें और शीर्ष स्थान हासिल करें।

स्वच्छता के लिए संबंधित जिम्मेदारियों में शामिल है

- अपने और दूसरों की मानसिकता को बदलने और अपनी आदतों में बदलाव लाने की प्रतिज्ञा करना। यह हमारे मिशन को हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण कदम होगा।
- किसी भी कीमत पर खुले में कचरा ना फेंके और दूसरों को भी ऐसा करने से रोकें। इसके बदले डस्टबीन का उपयोग (नियमानुसार) करें और दूसरों को भी प्रेरित करें।
- आपके आस-पास कचरा हो तो उसे उठाकर कचरे के डिब्बे में डालें।
- अधिकारियों के पास शिकायत/रिपोर्ट (चित्र/वीडियो के साथ उपलब्ध हो तो) दर्ज कराएं।
- अपशिष्ट/कचरा पैकेट में रखें और सफाई कर्मचारी को सीधे दें या सार्वजनिक डस्टबीन में फेंके।
- सरकारी अधिकारियों को समय से पहले राशि का भुगतान करें। इस राशि को खर्चे के तौर पर नहीं, संपत्ति के तौर पर लें। (भविष्य में शहर के विकास से लाभ मिलेगा)।

SPECIAL FESTIVAL OFFER

UP TO 31st DEC 2019

FLAT 25% DICCOUNT ON ALL MILTON PRODUCTS ON MRP.
FLAT 16% DISCOUNT ON ALL HAWKINS PRESSURE COOKER .
FLAT 18% DISCOUNT ON ALL HAWKINS COOKWARE.
FLAT 20% DISCOUNT ON ALL BOROSIL GLASSWARE.
FLAT 30% DISCOUNT ON ALL BOROSIL OPALWARE.
FLAT 30% DISCOUNT ON ALL BOROSIL APPLIANCES.
FLAT 25% DISCOUNT ON CELLO & LA OPALA PRODUCTS .
FLAT 30% DISCOUNT ON ALL BAJAJ & PRESTIGE APPLIANCES.

(ADDITIONAL 3% EXTRA DISCOUNT ON PURCHASE OF
Rs. 5000/- OR MORE IN A SINGLE INVOICE.)

ALL DISCOUNTS AND OFFERS WILL BE AVAILABLE AT:-

CAPITAL TRADERS & MAA INDRANI TRADERS

G . D . SIKARIA COMMERCIAL COMPLEX ,
M.S. ROAD, FANCY BAZAR , GUWAHATI, ASSAM -781001.
CONTACT NO. 9435107211, 8254821046.

SHYAM PIPES

PROGUARD PLUS
CPVC PLUMBING SYSTEMS
WORLD'S BEST PREMIUM QUALITY WATER PLUMBING SYSTEM

50 PROVEN PERFORMANCE
ISI 15778
MATERIAL FROM USA
HOT & COLD WATER APPLICATION

MFG : SREE SHYAM INDUSTRIAL CO.
CALL - 9830080818

आचार्य विवेक कुमार मिश्र
वेद विभूषण, शास्त्री, MA, आचार्य, B.Ed
सचिव, प्राच्यविद्या संस्कृत प्रतिष्ठानम, असम

संस्कृति व सद्भाव को रोशन करती दीपावली

दीपावली एकमात्र ऐसा त्योहार है, जो समृद्धि और संस्कृति के बीच सेतु की भूमिका निभाता है। समृद्धि की यह आराधना संस्कृति के कारण ही की जाती है। इसे पौराणिक युग की गहरी सोच का निष्कर्ष कहना ठीक होगा कि जीवन के विभिन्न अंगों को संस्कृति के माध्यम से जोड़कर एक संतुलन कायम किया गया है।

समृद्धि तात्कालिक, अल्पकालीन या दीर्घकालीन हो सकती है। संस्कृति एक परंपरा के रूप में सतत प्रवाह है। समयानुसार परिवर्तन, संशोधन-संवर्धन उसका गुण है। समृद्धि चार दिनों की चांदनी हो सकती है, जबकि संस्कृति का प्रकाश पीढ़ियों, युगों, सदियों तक चमकता रहता है।

आज के दौर में समृद्धि की व्याख्या की आवश्यकता नहीं रह गई है। समृद्धि की गति और साधनों से जन्मी निरंकुशता संस्कृति को नकारने तक का साहस जुटा रही है। एक गंभीर प्रश्न है कि क्या समृद्धि संस्कृति को निगल जाएगी? या परंपरागत शक्ति के रूप में स्थापित संस्कार व संस्कृति को कुछ समय के लिए ग्रहण लग जाएगा? या भौतिक समृद्धि की चकाचौंध में संस्कृति का दीया धुंधलाकर टिमटिमाने को मजबूर हो रहा है?

इसका उत्तर खोजने में सहायक होगा यह जानना कि विद्वानों ने संस्कृति को किन शब्दों में परिभाषित किया है।

'भारतीय संस्कृति और उसका इतिहास' नामक पुस्तक में सत्यकेतु विद्यालंकार लिखते हैं, 'मनुष्य अपनी बुद्धि का प्रयोग कर विचार और कर्म के क्षेत्र में जो सृजन करता है, उसी को संस्कृति कहते हैं।' बुद्धि सभी को मिलती है। उसके प्रयोग का निर्णय विवेक करता है। इसलिए पहला सवाल उठता है कि यदि विवेक नहीं दिखाई देता है तो क्या केवल बुद्धि के प्रयोग को सोच की अराजक स्थिति कहा जाना चाहिए?

ऐसी परिस्थितियां इन दिनों जगह-जगह, भिन्न-भिन्न मौकों पर दिखाई देने लगी हैं। क्या इन्हें विवेकहीनता का परिणाम कहना होगा? उपर्युक्त परिभाषा के दूसरे हिस्से में विचार और कर्म के क्षेत्र में 'सृजन' का उल्लेख है। इन दिनों दो तरह के विचार मिलते हैं। एक वे जो पुस्तकों में दर्ज हैं। आदर्श के तौर पर दोहराए जाते हैं। सही उत्तर देने से बचने में इन आदर्शवादी विचारों का उपयोग नया चलन है।

दूसरी तरह के विचार आर्थिक समृद्धि पर केंद्रित हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि संस्कृति के क्षेत्र में विचार और कर्म के माध्यम से बहुआयामी सकारात्मक सृजन परंपरा को संशोधित स्वरूप में सुदृढ़ आधार देने वाला नहीं लगता। संस्कृति के बारे में यह भी कहा जाता है कि संसार में जो सर्वोत्तम बातें जानी या कही गई हैं, उनसे स्वयं को परिचित कराना ही संस्कृति है। यहां परिचित कराने से आशय उन श्रेष्ठ तत्वों को आत्मसात करने से है।

संस्कृति को अनेक तरह से परिभाषित किया गया है। उदाहरण के लिए, शारीरिक या मानसिक शक्तियों का प्रशिक्षण, सुदृढ़ीकरण, विकास या उससे उत्पन्न अवस्था संस्कृति है। संस्कृति को मन, आचार अथवा रुचि की शुद्धि, सभ्यता का भीतर से प्रकाशित हो उठना भी कहा गया है।

इसे दैनंदिन की दिनचर्या को शिष्टता प्रदान करने वाला अनुशासन भी माना गया है। परिभाषाएं गिनाने का अर्थ इस जमाने की राह की दिशा को स्पष्ट करना ही है। संस्कृति की चर्चा करते हुए पृष्ठभूमि में संस्कार एक महत्वपूर्ण, शक्तिशाली कर्म-तत्व के रूप में मौजूद रहता है।

यह चर्चा दीपावली के इस मौके पर इसलिए कि यही एक ऐसा त्योहार है, जिसके व्यापक स्वरूप में समृद्धि व संस्कृति मनुष्य जीवन में सिक्के के दो पहलू के रूप में जीवंत बने रहते हैं। जीवन की विभिन्नताओं को दृष्टिगत रख मौन भाव से व्यक्ति व समाज के दैनंदिन जीवन के सपने संजोते हैं, कल्पना गढ़ते हैं और आशाओं के फूल बिखेरते हैं। जो बीत गया उसकी याद दिलाते हैं। जो हो सकता है उसकी संभावनाओं के पंख फैलाते हैं, सफलता की ऊंची उड़ान के लिए। एक भिन्न उपमा के रूप में संस्कार व संस्कृति एक धीमे-धीमे बहती नदी के सतत प्रवाह के समान है, जो खुद तो पवित्र बना ही रहता है, साथ ही जहां तक भी उसकी बूंद रिसकर पहुंचती है वहां तक उसके गुण भाव पहुंचते रहते हैं। इस बहाव की धारा का टूटना या सिकुड़ना स्थापित सभ्यता को ही मरुस्थल बना सकता है। बिखेर सकता है। अराजक कर सकता है। संस्कृति पर चोट पहुंचाने वाली समृद्धि ऊंचाई से गिरने वाले जलप्रपात की ऐसी धारा के समान है जो वर्षों से टिकी चट्टान को तोड़ती है। ऐसी धारा की शक्ति को नियंत्रित कर लोकहित में उपयोग करने के लिए, फिर संस्कृति के बहाव की ओर ही झांकना पड़ता है। समृद्धि की कामना के साथ, समृद्धि की जगमगाहट और प्रदर्शन को साथ रखकर मनाया जाने वाला दीपावली का त्योहार भी संस्कृति स्वरूपी साज-सज्जा, पूजा-प्रार्थना में ही आराधना के सुफल का विश्वास संजोए होता है।

दीपावली धरती की मिट्टी से बने दीपकों का प्रकाश पर्व है। इन्हें स्वर्ग के किसी देवता ने नहीं, बल्कि स्वयं मानव ने अपने हाथों से मेहनत करके अपने पुरुषार्थ से बनाया है। इसी कारण दीपावली का महत्व सारे त्योहारों में सबसे ज्यादा है। कुबेरनाथ को दीपावली की रात मनुष्य के हाथों अंधकार पर विजय की रात्रि प्रतीत होती है। मनुष्य के बनाए दीप और उसके द्वारा उपजाए तिलों का

तेल इसके साधन-द्रव्य हैं। अंधकार से जूझते इन दीपों के साथ सारी मानव जाति का एक भावात्मक संबंध है, क्योंकि ये दीपक हमारी धरती से ही बने हैं। धरती की बेटी माता सीता के भाई हैं ये दीप। इन दीपों से हमारा गहरा पारिवारिक रिश्ता है। हमारे अपने हाथों से बनाए दीप जब जलने लगते हैं तो देवताओं का तारामंडल फीका पड़ जाता है। सारे अपशकुन तथा सारी अशुभ शक्तियां मनुष्यकृत प्रकाश के सामने नतमस्तक हो अपनी हार मान लेती हैं।

दीपावली मनुष्य के लिए गौरव बोध का पर्व है। दीपावली तो श्री, सुख, शोभा, सौभाग्य, शांति, पवित्रता तथा नववधू के गृहप्रवेश की भांति लज्जा, चेतना व आनंद बांटती कमला को पूजने का दिन है, न कि दुर्गुणों को अपनाने का। दीपावली का संदेश हरेक व्यक्ति में असुरत्व को मारकर देवत्व जगाना है। जहां देवत्व होगा, वहीं दिव्यत्व होगा। दिव्यत्व के बाद ही महाभारत को जीतने के लिए हम ज्ञान का पांचजन्य जब फूंकेंगे, वही सच्ची दीपावली होगी। ●

(लेखक ज्योतिष सम्बन्धित कार्य, याज्ञिक, भागवत कथा एवं हनुमत कथा धार्मिक आयोजन एवं सामाजिक मुद्दों पर अभिव्यक्ति रखते हैं।)
संपर्क सूत्र : 98644 70104

शाखा के द्वारा दीपावली समारोह एवं भाग्यशाली दानपत्र का आयोजन

मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा के तत्वधान में इसके सदस्यों के लिए आगामी **19 अक्टूबर 2019 शनिवार** को स्थानीय **सांगनेरिया धर्मशाला** में **सांय 6.30 से दीपावली समारोह** का आयोजन किया गया है, जिसमें रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा तथा इसके अलावा **भाग्यशाली दानपत्र 2019** भी आयोजित किया जाएगा।

इस लकी ड्रा में पुरस्कार निम्नलिखित है :

प्रथम पुरस्कार	1000 ग्राम	चांदी	1
द्वितीय पुरस्कार	500 ग्राम	चांदी	1
तृतीय पुरस्कार	250 ग्राम	चांदी	2
चतुर्थ पुरस्कार	100 ग्राम	चांदी	10
पंचम पुरस्कार	50 ग्राम	चांदी	10 एवं
षष्ठम पुरस्कार	10 ग्राम	चांदी	48

लकी ड्रा के लिए एक कूपन की सहयोग राशि 1000 रुपए है। कार्यक्रम में **एक खोज... प्रतिभा की** के **प्रथम विजेताओं** को नगद व मान पत्र से **बायोफिट जिम** की तरफ से नवाजा जाएगा। कार्यक्रम में स्वरूचि भोजन की व्यवस्था की गई है। इस कार्यक्रम के संयोजक श्री प्रभात शर्मा व श्री विनोद शर्मा है। पूरा कार्यक्रम **एल गोपाल एंड सन्स** की तरफ प्रायोजित है।

कामरूप शाखा का अनूठा प्रयास

एक खोज... प्रतिभा की

इस प्रकल्प का उद्देश्य अपने समाज के कलाकारों की प्रतिभा को निखारने विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण हेतु उचित मंच प्रदान कर आगे बढ़ाना था।

मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा द्वारा समाज मे छिपी हुई प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 'एक खोज... प्रतिभा की' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुल तीन चरणों में आयोजित इस कार्यक्रम में नृत्य, गायन एवं वादन प्रतिस्पर्द्धा में 124 उभरते कलाकारों ने भाग लिया।

प्रथम चरण रविवार 25 अगस्त 2019 को स्थानीय लायंस ऑडिटोरिम में नृत्य एवं गायन प्रतियोगिता का ऑडिशन राउंड संपन्न हुआ। ऑडिशन राउंड का शुभारंभ प्रांतीय अध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया, प्रांतीय महामंत्री श्री राज कुमार तिवाड़ी एवं शाखा पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। प्रतियोगिता के आरंभ में कार्यकारी अध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि शाखा का यह पहला प्रयास है, शाखा आगे भी समाज में छिपी हुई प्रतिभाओं की खोज हेतु कार्यक्रम आयोजित करने पर विचार करेगी। ऑडिशन राउंड के नृत्य एवं गायन प्रतियोगियों की वास्तविक स्थिति परखने हेतु जाने-माने तथा असमिया फिल्मों के निर्देशकों, संगीतकारों एवं गायकों को आमंत्रित किया गया। नृत्य में श्री संदीप मालु, श्री आकाश मित्रा, सुश्री पियाली कश्यप, श्री नेकीव रहमान एवं श्री जीत दास थे। गायन के कार्यक्रम में निर्णायक हेतु श्री रतन दास, श्रीमती रूपांकिता पापोरी शर्मा एवं श्रीमती पियाली दास को आमंत्रित किया गया था।

ऑडिशन राउंड में सफल रहे प्रतियोगियों ने गत 1 सितंबर को लायंस क्लब ऑडिटोरियम में आयोजित प्रतियोगिता के सेमीफाइनल राउंड में अपना जौहर दिखाया। सेमीफाइनल में प्रतियोगियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्द्धा देखने को मिली। सेमीफाइनल राउंड के निर्णायक के रूप में नृत्य

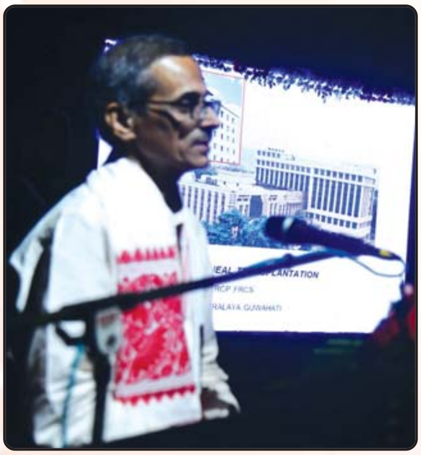

कला के लिए श्री संदीप मालू, श्री राज राम, श्री मनीष शर्मा, सुश्री रिनी भुइयां दास एवं गायन कला के निर्णायक के रूप में श्री रतन दास, श्रीमती रूपांकिता पापोरी शर्मा, श्रीमती पियाली दास, श्रीमती बैसाखी परियाल ने अपना भरपूर सहयोग दिया। दूसरे चरण में नृत्य प्रतियोगिता के जूनियर एवं सीनियर वर्ग से 6-6 प्रतिभागियों को एवं गायन कला प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग से 3 एवं सीनियर वर्ग से 6 प्रतिभागियों को फाइनल राउंड के लिए चुना गया। फाइनल राउंड के सभी प्रतिभागियों को लॉटरी के द्वारा मेंटर्स श्री अजय दास और श्रीमती मोना गौड़ को सौंप दिया गया ताकि वे उनकी कला को और अधिक निखार सकें।

15 सितंबर 2019 को माछखोवा स्थित आईटी सेंटर में नृत्य एवं गायन प्रतियोगिता 'एक खोज ... प्रतिभा की...' का ग्रांड फिनाले भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सम्मानित अतिथि श्री शंकरदेव नेत्रालय के अध्यक्ष श्री हर्ष भट्टाचार्जी, प्रांतीय महामंत्री श्री राजकुमार तिवाड़ी, प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्री संजय मोर, कार्यक्रम के प्रायोजक, संयोजक एवं शाखा पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुई। इसके बाद श्री संदीप मालू के निर्देशन में समाज के बाल कलाकारों ने एक बहुत की प्यारी एवं उच्च कोटि की गणेश वंदना नृत्य के रूप में प्रस्तुत की। तदुपरांत शाखा के उपाध्यक्ष श्री बिजय भीमसरिया ने सम्मानित अतिथि श्री हर्ष भट्टाचार्जी को फुलाम गमोछा एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। शाखा के विभिन्न सदस्यों एवं सदस्यों की अर्धांगिनियों ने प्रांतीय महामंत्री, प्रांतीय कोषाध्यक्ष, प्रायोजक एल गोपाल ज्वेलर्स, हेरिटेज पब्लिक स्कूल, कुबेर टेक्नो क्राफ्ट, आर.पी. टेक इंडिया, यंग कंस्ट्रक्शन, गायत्री ट्रेवल्स, मास्टर पीस के प्रबंधकों का फुलाम गमोछा से स्वागत किया। तत्पश्चात समस्त कार्यक्रमों के सभी कोरियाग्राफरों, मेंटर्सों एवं निर्णायकों को मंच पर आमंत्रित कर फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया।

शाखा अध्यक्ष श्री निरंजन सीकरिया ने स्वागत भाषण देते हुए सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। उन्होंने समाज की उत्साहवर्द्धक उपस्तिथि का स्वागत करते हुए घोषणा की कि इस कार्यक्रम को शाखा हर साल करेगी। सम्मानित अतिथि श्री हर्ष भट्टाचार्जी ने अपने संबोधन के साथ नेत्रदान पर पावर प्रेजेंटेशन देकर नेत्रदान के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि जितने नेत्रदान अभी हो रहे हैं, उनमें मारवाड़ियों कि संख्या 90 प्रतिशत है। उन्होंने मारवाड़ी समाज के दानशीलता पर धन्यवाद देते हुए नेत्रदान को सहजरूप में स्वीकार करने कि अपील की। महामंत्री राजकुमार तिवाड़ी ने शाखा की उपलब्धियों का बखान करते हुए हर्ष जताया कि अल्पकाल में ही कामरूप शाखा ने विभिन्न कार्यकर्मों के द्वारा समाज में अपना परचम लहराया है।

शाखाध्यक्ष श्री निरंजन सीकरिया और उनकी टीम तथा कार्यक्रम के संयोजक श्री पवन पसारी और उनकी टीम के अहर्निश प्रयासों से यह कार्यक्रम उच्चतम शिखर तक पहुंच सका। श्री अखिलेश मुंधड़ा और श्री महेंद्र गौर की जोड़ी के संचालन ने कार्यक्रम में चार-चांद लगाए। श्री महेंद्र गौर की एंट्री धमाकेदार प्रस्तुति के साथ हुई। फिनाले राउंड को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए नृत्य व संगीत के लिए निर्णायकों एवं विशेषज्ञों की सेवाएं ली गईं। गायन कला के लिए श्रीमती संध्या मेनन, श्रीमती बबिता शर्मा, श्री निकेतन दास एवं नृत्य प्रतियोगिता के लिए श्रीमती बॉबी बादशाह, श्री जगत दास, श्री सिकंदर पासवान एवं श्रीमती सुमन जैन ने निर्णायकों की भूमिका निभाई।

फाइनलिस्ट के अलावा वरिष्ठ अतिथि कलाकार श्री दुर्गा अग्रवाल एवं श्रीमती नीलम अग्रवाल ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया साथ ही की-बोर्ड पर लव्य अग्रवाल ने अपनी प्रस्तुति दी, जबकि माउथ ऑर्गन पर कनिष्क चौधरी ने समां बांधा। गायन और नृत्य दोनों की जूनियर और सीनियर दोनों श्रेणी की

प्रतिस्पर्द्धा में कांटे की टक्कर देखने को मिली। नृत्य सीनियर की विजेता रहीं नंदिनी पटवारी तथा शुभम अग्रवाल और दिव्य धिराशरिया उपविजेता रहे। इनको पुरस्कृत किया शाखाध्यक्ष श्री निरंजन सीकरिया, निवर्तमान अध्यक्ष श्री पवन जाजोदिया एवं संस्थापक अध्यक्ष श्री सम्पत मिश्र ने। गायन जूनियर श्रेणी में रचना भीलवाड़िया को विजेता, धैर्य चौधरी व नन्हीं झलक दमानी को उपविजेता घोषित किया गया। इन सभी को स्मृति चिन्ह एवं उपहार हेरिटेज स्कूल के श्री श्याम शर्मा तथा प्रिंसिपल श्रीमती गोपा मुखर्जी के कर-कमलों से प्रदान किए गए। नृत्य जूनियर के सिकंदर रहे दर्श काबरा, जबकि उपविजेता का पुरस्कार अन्वी नागोरी तथा रिसित अग्रवाल को मिला। इन सभी को स्मृति चिन्ह एवं उपहार यंग कंस्ट्रक्शन के श्री इंदरचंद जैन और श्री सुमन जैन द्वारा दिए गए। गायन सीनियर की श्रेणी में अनिमेष दाधीच ने कब्जा किया, जबकि तन्मय जैन और योगेश चोरड़िया उपविजेता रहे। इनको प्रांतीय महामंत्री श्री राज कुमार तिवाड़ी व शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया ने पुरष्कृत किया। इसके अलावा बायोफिट जिम के सौजन्य चारों श्रेणी के प्रथम विजेताओं के लिए 5100/- रु की नगद राशि की घोषणा की गई। अन्य सभी फाइनलिस्ट को फाइनल तक पहुँचने के लिए स्मृति चिन्ह, शाखा के पदाधिकारियों द्वारा प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में अंशग्रहण करने हेतु अन्य सभी प्रतियोगियों के लिए स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रांतीय महामंत्री कार्यक्रम से अभिभूत नजर आए। पुरष्कार वितरण के दौरान उन्होंने घोषणा की कि अब से कोई भी शाखा ऐसा कार्यक्रम अपने हाथों में लेती है तो कार्यक्रम के पूरे खर्च का 50 प्रतिशत प्रांतीय नेतृत्व वहन करेगा। इसका समाज बंधुओं ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। कुछ अभिभावक अपने बच्चे को इस प्रतिस्पर्द्धा से दूर रखने के अपने निर्णय के लिए अफसोस प्रकट करते नजर आए। पूर्वोत्तर के मारवाड़ी समाज के बीच इस तरह के कार्यक्रम का यह पहला प्रयास था।

श्री पवन पसारी ने इस प्रकल्प को पूरी योग्यता के साथ संपादित किया। प्रतियोगिता को सफल बनाने हेतु श्रीमती संतोष शर्मा, श्रीमती श्वेता पेड़ीवाल, श्री अखिलेश मुंदड़ा, श्री अनुज चौधरी, श्री महेंद्र गौड़, श्री मदन गोपाल चौधरी, श्री मनोज काला, श्री प्रदीप जाजोदिया, श्री सुजीत बखरेड़िया और श्री विमल काकड़ा को साथ लेकर बनाई गई सांस्कृतिक समिति के सदस्यों के अलावा श्री रतन कुमार अगरवाला, श्री रतन खाखोलिया, श्री संजय खेतान एवं श्री संतोष जैन का सहयोग उल्लेखनीय रहा। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में जजों, मेंटर्स, कार्यक्रम के होस्ट और सांस्कृतिक समिति के सदस्यों का सहयोग सराहनीय रहा। निश्चित रूप से अनुभव की कमी की वजह से कुछ त्रुटियां रह गई होंगी, जिसके लिए क्षमा मांगते हुए शाखा सचिव दिनेश गुप्ता ने इस प्रकल्प को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से शामिल रहे सभी लोगों का धन्यवाद दिया। ●

With Best Compliments from :

J. J. SALES

DEALS IN :

ACRYLIC YARN, POLYESTER YARN & COTTON YARN AND GOVT. ORDER SUPPLIERS.

G. D. SIKARIA COMMERCIAL COMPLEX, M. S. ROAD, FANCY BAZAR
NEAR BANK OF BARODA, GUWAHATI - 781001, ASSAM
PHONE : 94351-17061, 70027-66304

With Best Compliments from :

ms

M. S. Logistics

E-MAIL :
m.s.logist@gmail.com

PHONE :
0361-2731889
094350-19391

CHABIPOOL, HOUSE NO. 44
OPP. RAM JANKI MANDIR
GUWAHATI - 781001. ASSAM

May you get prosperity and
fortune on this auspicious
occasion of Diwali.

मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा व गुवाहाटी महिला शाखा का संयुक्त बाढ़ राहत शिविर संपन्न

शिविर के दौरान मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा व गुवाहाटी महिला शाखा के सदस्यगण

कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी, 27 अगस्त (स.सं.)। मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा द्वारा समाज में छिपी हुई प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से एक खोज प्रतिभा की कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में नृत्य, गायन एवं वादन प्रतियोगिता में करीब 140 उभरते कलाकारों ने भाग ले रहे हैं। यह कार्यक्रम कुल तीन चरणों में होगा। प्रथम चरण गत 25 अगस्त स्थानीय लायंस ऑडिटोरियम में नृत्य एवं गायन प्रतियोगिता का ऑडिशन राउंड संपन्न हुआ। ...

पूर्वांचल प्रहरी 15.09.2019

नृत्य एवं गायन प्रतियोगिता का ग्रांड फिनाले आज

गुवाहाटी : इन दिनों मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा के तत्वावधान में मारवाड़ी समाज के कलाकारों में छुपी हुई प्रतिभा को उभार कर उचित मंच प्रदान करने हेतु एक खोज... प्रतिभा की... नामक नृत्य एवं गायन प्रतियोगिता चल रही है जिसका ऑडिशन राउंड 25 अगस्त 2019 को तथा सेमीफाइनल राउंड 1 सितंबर 2019 को लायंस क्लब ऑडिटोरियम, छत्रीबाड़ी, गुवाहाटी में संपन्न हो चुका है। प्रतियोगिता का ग्रांड फिनाले आगामी 15 सितंबर रविवार को स्थानीय प्राग्ज्योतिष आईटीए सेंटर, माछखोवा में सायं 3.30 बजे से नृत्य एवं गायन के फाइनलिस्ट के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के साथ संपन्न होगा। इसके अलावा कुछ विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी पेश की जाएंगी। इस प्रतियोगिता को कोई फाइनलिस्ट हल्के में नहीं ले रहा है और सभी प्रतियोगी अनुभवी मेंटर्स के निर्देशन में कड़ा अभ्यास कर रहें हैं। शाखाध्यक्ष निरंजन सिकरिया और उनकी टीम तथा कार्यक्रम के संयोजक पवन पसारी और उनकी टीम के अहर्निश प्रयास इस ग्रांड फिनाले में फाइनलिस्ट के प्रदर्शन को उच्चतम शिखर तक लेके जाएगा तथा समाज के बदलते नजरिए का साक्षी होगा। कार्यक्रम के दौरान श्री शंकरदेव नेत्रालय के सौजन्य से नेत्रदान जागरूकता पर एक प्रस्तुति दिखाई जाएगी। शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष विनोद कुमार लोहिया ने बताया कि इस दौरान नेत्रालय के मुख्य ट्रस्टी डॉ हर्ष भट्टाचार्जी स्वयं सम्मानित अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा इस ग्रांड फिनाले में समाज बंधुओं को सादर सपरिवार आमंत्रित करता है। (सिरि)

'एक खोज... प्रतिभा की' का ऑडिशन संपन्न

▲ पूर्वोदय संवाददाता

गुवाहाटी, 27 अगस्त। छत्रीबाड़ी स्थित लायंस ऑडिटोरियम में मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा द्वारा समाज मे छिपी हुई प्रतिभाओं को एक-मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 'एक खोज... प्रतिभा की' नृत्य एवं गायन प्रतियोगिता का ऑडिशन राउंड संपन्न हुआ, जिसमें करीब 125 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। तीन चरणों में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता के प्रथम चरण के मौके पर प्रांतीय अध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया, प्रांतीय महामंत्री राज कुमार तिवारी, प्रायोजक ... शाखा ... है, शाखा आगे भी समाज की प्रतिभाओं की खोज हेतु कार्यक्रम आयोजन करने पर विचार कर रही है।

कोरियोग्राफर एवं मेंटर्स के तौर पर नृत्य में संदीप मालु, आकाश मित्रा, सुश्री पियली कश्यप, नेकीब रहमान व जीत दास थे। गायन में निर्णायक हेतु रतन दास, श्रीमती रूपांकिता शर्मा महंत एवं श्रीमती पियली दास मौजूद थीं।

ऑडिशन राउंड संपन्न होने के बाद ... राउंड में 1 सितंबर ... अंतिम प्रतिभागी 15 ... फिनाले में हिस्सा ... सम्मेलन आइडल ... किया जाएगा। ... बनाने में संयोजक ... दिनेश गुप्ता ... टे हुए हैं।

एक खोज...प्रतिभा की...: सेमीफाइनल में दिखी कड़ी प्रतिस्पर्द्धा

▼ एनएसजे रिपोर्टर

गुवाहाटी। मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा द्वारा समाज में छिपी प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही एक खोज..प्रतिभा की... नामक प्रतियोगिता का सेमीफाइनल एक सितंबर को स्थानीय लायंस ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के प्रायोजक किस्तूरीमल जैन, राजेश अग्रवाल, मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा के अध्यक्ष निरंजन सीकरिया, कार्यकारी अध्यक्ष विनोद कुमार लोहिया, उपाध्यक्ष ... वर्ग में आयोजित इस प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रतियोगियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्द्धा देखने को मिली। नृत्य (सीनियर) के फाइनल में शुभम अग्रवाल, मनन जैन, नंदिनी पटवारी, नागोरी, दर्श काबरा, स्तुति शर्मा, भाविका पारीख व सृष्टि शर्मा रहे, जबकि रिमित अग्रवाल को वाइल्ड कार्ड के जरिए फाइनल में जगह दी गई। गायन (सीनियर) में अनिमेष दाधीच, तन्मय जैन, विक पारीक, यश बोथरा, सुरेंद्र बैद और योगेश चोरड़िया फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे, गायन (जूनियर) में धैर्य चौधरी, झलक दमानी और रचना भीलवाड़िया फाइनलिस्ट बने। ग्रैंड फिनाले 15 सितंबर को माछखोवा स्थित आईटीए सेंटर में अपराह्न 3.30 बजे से आयोजित होगा। उल्लेखनीय है कि मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा द्वारा पहली बार समाज के युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस तरह का कार्यक्रम ...

सम्मेलन की कामरूप शाखा का प्रथम प्रयास एक खोज... प्रतिभा का ऑडिशन

ऑडिशन राउंड का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर करते मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा के अधिकारीगण

'एक खोज प्रतिभा की' का फिनाले आज

गुवाहाटी, 14 सितंबर (पू.सं.)। मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा की ओर से आयोजित 'एक खोज प्रतिभा की' नामक नृत्य व गायन प्रतियोगिता का ग्रांड फिनाले रविवार को प्रागज्योतिष आईटीए- सेंटर में अपराह्न 3.30 बजे से होगा। इस मौके पर विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी। शाखाध्यक्ष निरंजन सिकरिया व उनकी टीम तथा कार्यक्रम के संयोजक पवन पसारी और उनकी टीम के प्रयास ग्रांड फिनाले में फाइनलिस्ट के प्रदर्शन को उच्चतम शिखर तक ले जाएंगे। शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष विनोद कुमार लोहिया ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान श्री शंकरदेव नेत्रालय के सौजन्य से नेत्रदान जागरूकता पर एक प्रस्तुति दिखाई जाएगी। मौके पर नेत्रालय के मुख्य ट्रस्टी डॉ. हर्ष भट्टाचार्जी सम्मानित अतिथि होंगी।

सम्मेलन की कामरूप शाखा का 'प्रथम प्रयास एक खोज... प्रति

कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा के सदस्यगण

गुवाहाटी : मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा द्वारा समाज में छिपी हुई प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 'एक खोज... प्रतिभा' कार्यक्रम का सेमिफाइनल राउंड गत रविवार 1 सितंबर 2019 को स्थानीय लायंस ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रायोजक किस्तूरीमल जैन, राजेश अग्रवाल, मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा के अध्यक्ष निरंजन सिकरिया, कार्यकारी अध्यक्ष विनोद कुमार लोहिया, उपाध्यक्ष ... द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया। ...

एक खोज प्रतिभा की नामक नृत्य एवं गीत प्रतियोगिता का ग्रांड फिनाले संपन्न

'एक खोज प्रतिभा की' सेमी फाइनल राउंड संपन्न

▲ पूर्वोदय संवाददाता

गुवाहाटी, 3 सितंबर। मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा की ओर से आयोजित 'एक खोज... प्रतिभा की' कार्यक्रम का सेमीफाइनल राउंड गत रविवार को लायंस ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रायोजक कस्तूरीमल जैन, राजेश अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष निरंजन सीकरिया, कार्यकारी अध्यक्ष विनोद कुमार लोहिया, उपाध्यक्ष विजय भीमसरिया, विजय अग्रवाल, सचिव दिनेश गुप्ता, संयोजक पवन पसारी द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया। अध्यक्ष ने प्रतियोगियों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी शाखा ऐसे कार्यक्रम करती रहेगी।

नृत्य (सीनियर) प्रतियोगियों में फाइनल के लिए शुभम अग्रवाल, मनन जैन, नंदिनी पटवारी तथा अंकिता बोथरा ने जगह बनाई जबकि जजों द्वारा ध्वनि पुगलिया को वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गई। नृत्य (जूनियर) के फाइनलिस्ट रहे अन्वी नागोरी, दर्श काबरा, स्तुति शर्मा, भाविका पारीक व सृष्टि शर्मा जबकि रिसित अग्रवाल को वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली। इस तरह नृत्य प्रतियोगिता में सीनियर और जूनियर में कुल 6-6 प्रतियोगियों ने फाइनल में अपने लिए जगह बनाई। नृत्य वर्ग को जज किया संदीप माल्, राजा राम, रिम्मी बरुवा रे और मनीष शर्मा ने तथा डांस फाइनलिस्ट को मेंटर मनीश शर्मा, मोना गौर व अजय राज के द्वारा फाइनल के लिए तराशा जाएगा।

गायन (सीनियर) प्रतियोगिता में अनिमेष दाधीच, तन्मय जैन, विवेक पारीक, यश बोथरा, सुरेंद्र बैद और योगेश चोरड़िया फाइनल के लिए चुने गए जबकि गायन (जूनियर) प्रतियोगिता में धैर्य चौधरी, झलक दमानी और रचना भीलवाड़िया फाइनलिस्ट बने। गायन वर्ग के जज रहे रतन दास, रूपंकिता पापोरी शर्मा, पियाली दास व बैशाखी परियल तथा मेंटर होंगे रतन दास, रूपंकिता पापोरी शर्मा और पियाली दास जो फाइनलिस्ट को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए तैयार करेंगे।

वादन प्रतियोगिता में एंट्री अधिक नहीं आने की वजह से जितने भी प्रतियोगी आए थे, उनका सिर्फ प्रदर्शन करवाया गया, जिसको जज किया केके महंता ने। हालांकि इसे प्रतियोगिता के रूप में मान्यता नहीं दी गई थी फिर भी जूनियर आर्टिस्ट लव्य अग्रवाल को फाइनल में प्रदर्शन का मौका दिया जाएगा।

ग्रैंड फिनाले 15 सितंबर को आईटीए सेंटर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें सभी प्रतियोगी आमंत्रित हैं। सभी प्रतियोगियों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न भेंट किए जाएंगे।पंजीयन मनोज जैन व विमल काकड़ा तथा संचालन अखिलेश मुंधड़ा ने किया। दीपक जैन (कोषाध्यक्ष), अनुज चौधरी, दिलीप अग्रवाल (सह-सचिव), प्रभात शर्मा, संजय खेतान (कार्यकारिणी सदस्य), रतन अग्रवाल, रतन खाखोलिया (संयोजक) ने पूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम समिति की सदस्याएं संतोष शर्मा एवं स्वेता पेड़ीवाल का योगदान रहा।

दैनिक पुर्वोदय
04.09.2019

मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष विनोद लोहिया का कहना है कि इससे पहले प्रकाशित एनआरसी की तालिका से मारवाड़ी समाज के लोगों का नाम कम छूटे हैं, लेकिन इस बार भी संख्या कम नहीं है। लोहिया ने कहा कि हमने अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर 35 दिनों की कार्यशाला आयोजित की थी और उसमे बताया गया था कि कैसे क्या करना है ? काफी लोगों की शिकायत व उनकी दावेदारी फार्म को जमा भी किया गया था। उन्होंने कहा कि सभी संस्थाओं तथा लोगों से अपील है कि वे डाटा संग्रह कार्य में मदद करें ताकि आगे की कानूनी प्रक्रिया जल्द शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज के सभी लोगों के नाम इसमे शामिल हो यही हमारी कोशिश है।

नेत्रदान करने में मारवाड़ी समाज सबसे आगे : हर्ष भट्टाचार्य

एक खोज ... प्रतिभा की... का ग्रैंड फिनाले आज

▼ एनएसजे रिपोर्टर

गुवाहाटी। मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा ... के कलाकारों की प्रतिभा को ... कर उचित मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित की गई एक खोज... प्रतिभा की... नामक नृत्य एवं गायन प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले 15 सितंबर को ... स्थित आईटीए सेंटर में आयोजित किया जाएगा। मालूम हो कि प्रतियोगिता का ऑडिशन राउंड 25 अगस्त को तथा सेमीफाइनल राउंड 1 सितंबर को छत्रीबाड़ी स्थित लायंस क्लब ऑडिटोरिम में आयोजित किया गया था। कल इस प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले आईटीए सेंटर में अपराह्न 3.30 से आयोजित होगा। प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले में नृत्य एवं गायन के फाइनलिस्ट प्रतियोगियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष विनोद कुमार लोहिया द्वारा एक प्रेस ... के अनुसार ग्रैंड फिनाले में कुछ विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित ... । कार्यक्रम के दौरान श्री ... नेत्रालय के सौजन्य से नेत्रदान जागरूकता पर एक प्रस्तुति ... नेत्रालय के ... भट्टाचार्जी स्वयं सम्मानित अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। शाखाध्यक्ष निरंजन सिकरिया कार्यक्रम के संयोजक पवन पसारी और उनकी टीम इस ग्रांड फिनाले के सफल आयोजन कर प्रतिभागियों की प्रतिभा को निखारकर समाज के बदलते नजरिए का साथी बनने के लिए जोर-शोर से तैयारी की है। मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा इस ग्रांड फिनाले में समाज बंधुओं को सादर सपरिवार आमंत्रित करता है।

निष्पक्ष समाचार ज्योति
15.09.2019

मारवाड़ी सम्मेलन का एक खोज प्रतिभा की

गुवाहाटी, 2 सितंबर (ख.सं.)। मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा द्वारा समाज में छिपी हुई प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से एक खोज-प्रतिभा की कार्यक्रम का सेमिफाइनल गत एक सितंबर को स्थानीय लायंस ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रायोजक कस्तुरीमल जैन, राजेश अग्रवाल, मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा के अध्यक्ष निरंजन सिकरिया, कार्यकारी अध्यक्ष विनोद कुमार लोहिया, उपाध्यक्ष विजय भीमसरिया, विजय अग्रवाल, सचिव दिनेश गुप्ता, संयोजक पवन पसारी द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया। अध्यक्ष सिकरिया ने प्रतियोगियों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई की भविष्य में भी शाखा ऐसे कार्यक्रम करती रहेगी। नृत्य (सीनियर) प्रतियोगिया में फाइनल के लिए शुभम अग्रवाल, मनन जैन, नंदिनी पटवारी तथा अंकिता बोथरा ने जगह बनाई, जबकि जजों द्वारा ध्वनि पुगलिया को वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गयी। नृत्य (जूनियर) के फाइनलिस्ट रहे अन्वी नागोरी, दर्श काबरा, स्तुति शर्मा, भाविका पारीक व सृष्टि शर्मा। वहीं रिसित अग्रवाल को वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली। इस तरह नृत्य प्रतियोगिता में सीनियर और जूनियर में कुल 6-6 प्रतियोगियों ने फाइनल में अपने लिए जगह बनाई। नृत्य वर्ग के जज रहे संदीप माल्, राजा राम, रिम्मी बरुवा और मनीष शर्मा। डांस फाइनलिस्ट को मेंटर करेंगे मनीष शर्मा, मोना गौर व अजय राय। गायन (सीनियर) प्रतियोगिता में अनिमेष दाधीच, तन्मय जैन, विवेक पारीक, यश बोथरा, सुरेंद्र बैद और योगेश चोरड़िया फाइनल के लिए चुने गए जब कि गायन (जूनियर) प्रतियोगिता में धैर्य चौधरी, झलक दमानी और रचना भीलवाड़िया फाइनलिस्ट बने।

'एक खोज प्रतिभा की' का ग्रांड फिनाले संपन्न

▲ पूर्वोदय संवाददाता

आईटीए सेंटर में एक खोज ... प्रतिभा की... का भव्य समापन

▼ एनएसजे रिपोर्टर

नेत्रदान एक सामाजिक अभियान

निर्मल अग्रवाल

नेत्र मनुष्य शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंग है, क्योंकि ये ईश्वर द्वारा प्रदान इस आलौकिक संसार से हमारा परिचय कराते है। सूर्योदय एवं सूर्यास्त के मनोहारी दृश्य का अनुभव एक नेत्रहीन व्यक्ति नहीं कर सकता। हमें नेत्र बंद कर दस कदम चलने में कठिनाई का अनुभव होता है। हम इस समाज में रहते हैं और समाज के किसी भी सदस्य को आत्मनिर्भर बनाना हमारा सामाजिक कर्तव्य है।

नेत्रों के काले हिस्से को कोर्निया कहते हैं, जो विभिन्न रोगों या आकस्मिक दुर्घटनाओं से प्रभावित हो जाता है और मनुष्य देख नहीं पाता। बच्चों में कुपोषण से भी अधिकतर यह रोग होता है। हम मरणोंपरांत इन लोगों को अपने नेत्र या कोर्निया उपलब्ध करवाकर नेत्रहीनता के इस भयानक आभिशाप से मुक्ति दिला सकते हैं। दुनिया में करीब 40 लाख लोग इस नेत्रहीनता के शिकार हैं और करीब 50 हजार लोग हर वर्ष इसमें जुड़ जाते हैं। इस गंभीर अवस्था से मुक्ति के लिए समाज को दढ़ संकल्प एवं इच्छा शक्ति से प्रयत्न करना होगा। हमें हर मरने वाले के नेत्रदान को सजिव करना होगा। श्रीलंका ऐसा देश है, जहां हर व्यक्ति मरने के बाद नेत्रदान करता है। मनुष्य को छोड़कर, प्रकृति का हर जीव मरने के बाद भी अपनी उपादेयता से समाज को उपकृत करता है। पेड़ सूखने पर उनकी लकड़ी

जानवर मरने पर उनका चमड़ा आदि हमारे काम में आते हैं। पारसी समाज अपनी देह को चील गिद्ध को खाने के लिए समर्पित कर देते हैं। मनुष्य आत्मा है और शरीर उसका आवरण। मृत्यु शरीर की होती है आत्मा की नहीं। आत्मा पुराने और व्यर्थ के शरीर को त्यागकर नए शरीर में प्रवेश करती है। (भगवतगीता 12.22) पुराने शरीर का हमारे नए शरीर से कोई संबंध नहीं होता है। इसलिए इस भ्रम का कोई औचित्य नहीं है कि नेत्रदान करने से मरने वाले को अगले जीवन में नेत्र नहीं मिलेंगे। हमारे बुरे अच्छे कर्म ही आत्मा के सात संस्कार बनकर अगले जीवन का निर्माण करते हैं। नए शरीर की संरचना पूर्ण रूप से एक प्राकृतिक क्रिया है।

शरीर मेरा नहीं है। शरीर पर मेरा अधिकार नहीं है तथा शरीर से मेरा संबंध नहीं है ऐसा अनुभव होने से मनुष्य ज्ञात ज्ञातव्य हो जाता है। (भगवतगीता 15-20)

आज हमें पूरे मानव समाज को नेत्रदान का संकल्प कराकर इसे सफल बनाना है। सभी समाजबंधुओं से इस अभियान से जुड़ने का अनुरोध है। नेत्रदान समाज को अपने परिवार की परंपरा बनाना चाहिए। नेत्रदान मृत्यु के 6 घंटों में संभव है। सभी समाजबंधुओं एवं शाखा सदस्यों से अनुरोध है कि वे नेत्रदान को अपना पारिवारिक परंपरा बनाएं। शंकरदेव नेत्रालय के नेत्रदान कार्यालय से 98643 67777 पर संपर्क कर नेत्रदान करा सकते हैं। ●

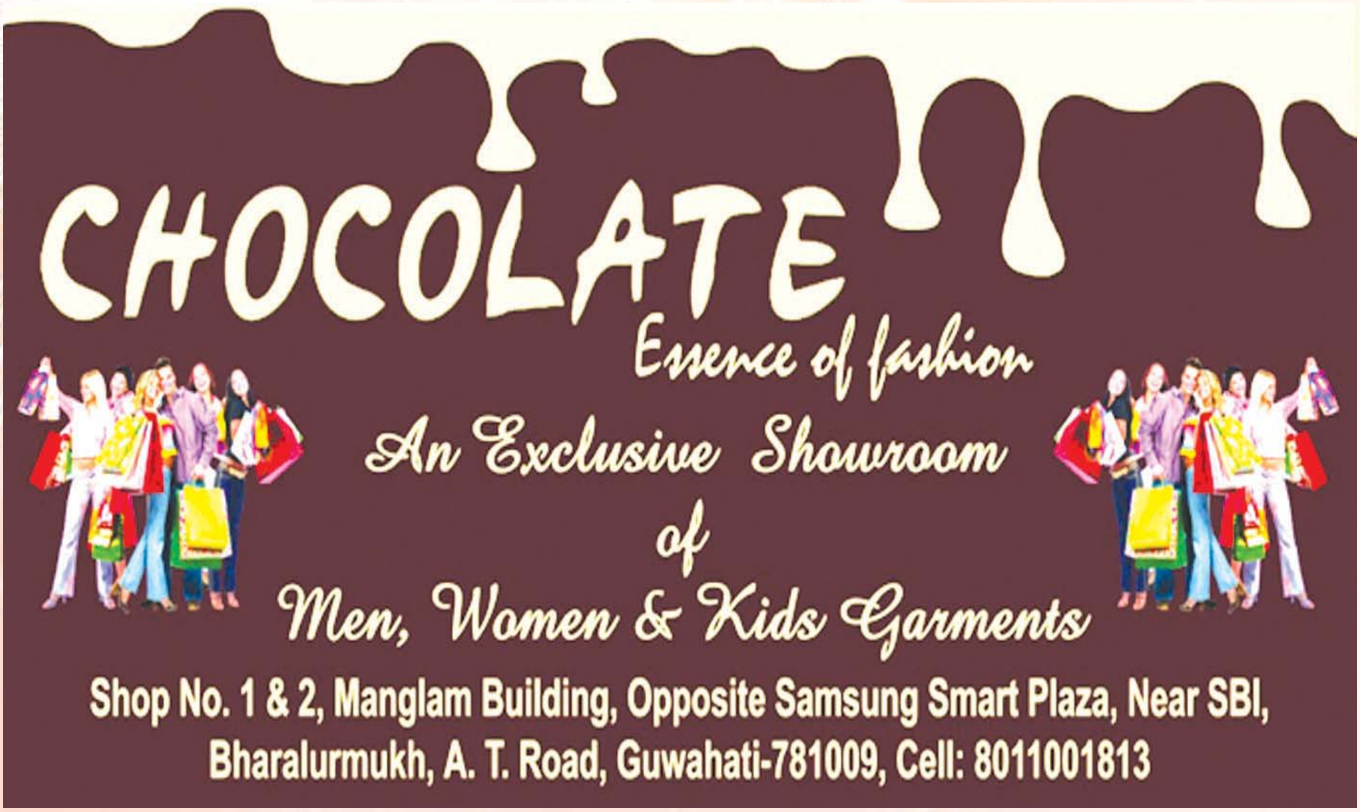

वैवाहिक विज्ञापन

विवरण हेतु संपर्क सूत्र : 60001-02017
सोमवार से शनिवार
(सुबह 11 बजे से सायं 5 बजे तक)

मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा की आधिकारिक वेबसाइट
www.sammelankamrupsakha.com
पर Register/Login कर बायोडाटा अपलोड अथवा सर्च कर सकते हैं।

Height 5'7" Gotra JINDAL, Age 34 Years, B.COM Looking for a suitable BRIDE: Ref No: 1031

Height 5'4" Gotra GARG, Age 33 Years, B.COM Looking for a suitable BRIDE: Ref No: 1032

Height 5'7" Gotra GARG, Age 34 Years, Post Graduation Looking for a suitable BRIDE: Ref No: 1033

Height 5"7" Gotra BANSAL, Age 30 Years, B.COM Looking for a suitable BRIDE: Ref No: 1034

Height 6' Gotra ERAN, Age 34 Years, COM Looking for a suitable BRIDE: Ref No: 1035

Height 5'8" Gotra GOYAL, Age 31 Years, MBA Looking for a suitable BRIDE: Ref No: 1036

Height 5'4" Gotra GARG, Age 33 Years, B.COM Looking for a suitable BRIDE: Ref No: 1037

Height 5'8" Gotra GOYAL, Age 36 Years, B.COM(Hons) LLB Looking for a suitable BRIDE: Ref No: 1038

Height 5'7" Gotra JAIN, Age 42 Years, B.E Looking for a suitable BRIDE: Ref No: 1039

Height 5'6" Gotra , Age 38 Years, B.COM Looking for a suitable BRIDE: Ref No: 1040

Height 5'8" Gotra BADAYA, Age 39 Years, L.L.B,M.A,B.SC Looking for a suitable BRIDE: Ref No: 1041

Height 5'9" Gotra GARG, Age 30 Years, B.Tech,M.Tech Looking for a suitable BRIDE: Ref No: 1042

Height 5'9" Gotra BANSAL, Age 38 Years, B.COM Looking for a suitable BRIDE: Ref No: 1043

Height 5'8" Gotra SINGHAL, Age 31 Years, MBA Looking for a suitable BRIDE: Ref No: 1044

Height 5'10" Gotra IRAN, Age 28 Years, C.A. (Practising) Looking for a suitable BRIDE: Ref No: 1045

Height 5'3" Gotra MANGAL, Age 32 Years, BA Looking for a suitable GROOM: Ref No: 1114

Height 5'4 Gotra SINGHAL, Age 26 Years, B.E Looking for a suitable GROOM: Ref No: 1115

Height 5'4" Gotra GARG, Age 39 Years, 12th Passed Looking for a suitable GROOM: Ref No: 1116

Height 5' Gotra BANSAL, Age 28 Years, B.COM Looking for a suitable GROOM: Ref No: 1117

Height Gotra GOYAL, Age 32 Years, B.D.S Looking for a suitable GROOM: Ref No: 1118

Height 5'2" Gotra GARG, Age 27 Years, M.COM Looking for a suitable GROOM: Ref No: 1119

नि:शुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन

मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा ने अपने स्थापना दिवस के अवसर पर समस्त समाजबंधुओं को स्वास्थ्य पर जन जागरूकता अभियान के तहत SRL Diagnostic व Chikitsha Diagnostic के साथ संयुक्त रूप से एक नि:शुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के शुभारंभ में शाखाध्यक्ष श्री निरंजन कुमार सीकरिया ने कहा कि शाखा स्थानीय अग्रवाल सदन, गुवाहाटी में अपना प्रथम जन जागरूकता अभियान का आरंभ किया है। उन्होंने कहा कि शाखा ने इस जन जागरूकता अभियान कार्यक्रम को हर तीन-तीन महीने से शहर के अलग-अलग स्थानों में आयोजित करने की योजना बनाई है।

इस मौके पर SRL Diagnostic के अधिकारी श्री राहुल चक्रवर्ती ने कहा कि यह चिकित्सा जांच शिविर कामरूप शाखा का पहला कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम के जरिए समाजबंधुओं को 15 प्रकार के शारीरिक संरचना जांच, लिवर के लिए फाइब्रोस्कैन जांच, ईसीजी, क्रिएटिनाइन, कोलेस्ट्रॉल, फास्टिंग शुगर, गुर्दे, हृदय, मधुमेह परीक्षण के अलावा ग्लूकोमीटर द्वारा शुगर की जांच की गई। अधिकतम 60 मरीजों को ये सेवाएं दी गई। उक्त कार्यक्रम में SRL Diagnostic के साथ Chikitsha Diagnostic के निदेशक श्री मुकेश कुमार अग्रवाला भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा समाजबंधुओं को स्वास्थ्य

With Best Compliments from :

IATA MEMBER

INDRANI AIR TRAVELS (P) LTD.
DOMESTIC & INTERNATIONAL AIR TICKETS & PACKAGES
E-mail : iatghy@gmail.com
Mobile : 99540-98158

N. M. INFRACON
Blown Bitumen of All Grades, Bitumen Emulsion, Coir Ropes
E-mail : nminfracon@gmail.com
Mobile : 98640-91383

1st FLOOR, T. C. LEKHARU MARKET. Opp. RUPASHREE CINEMA
A. T. ROAD, GUWAHATI - 781001, ASSAM
PHONE : 0361-2542396, 2517299

जांच के लिए कई तरह की नई योजना भी साथ शुरू की गई है, जो 60 से 70% रियायती मूल्य पर जांच की जाएगी। जो समाजबंधु इस शिविर में पंजीकरण करवाते हैं, उन्हें इस रियायती मुल्य का लाभ मिलेगा। शिविर सुबह 7:30 बजे से आरंभ किया गया, जो दोपहर 2:00 बजे तक चला। शिविर में कुल 83 लोगों ने जांच का लाभ उठाया। जांच के बाद स्थानीय डॉ. सुभोजित कौशिक एवं डॉ. सुशील अग्रवाल ने मरीजों को उचित सलाह मुहैया कराई। सभी उपस्थित समाजबंधुओं ने उनकी काफी सराहना की।

कार्यक्रम के पंजीकरण काउंटर पर उपाध्यक्ष श्री विजय कुमार अग्रवाला, शाखा सचिव श्री दिनेश गुप्ता, संयुक्त सचिव श्री दिलीप अग्रवाल, श्री अनुज चौधरी व सदस्य श्री संतोष जैन उपस्थित थे। सभी जांचों के लिए शिविर में अलग-अलग विभाग बनाए गए थे। शरीर संरचना, ब्लड प्रेशर, शुगर आदि जांच कार्यकारिणी सदस्य श्री मुकेश अग्रवाल की देखरेख में हुई। फाइब्रोस्केन जांच में उपाध्यक्ष श्री विजय भीमसरिया, ईसीजी जांच में श्री रतन खाखोलिया, डॉक्टरों की व्यवस्था के लिए कार्यकारिणी सदस्य श्री संजय खेतान थे। भवन व्यवस्था, मरीजों की देख-रेख, अतिथियों की

व्यवस्था आदि के अलावा समस्त कार्यक्रम शाखा अध्यक्ष श्री निरंजन कुमार सिकरिया, कार्यकारी अध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया, नि:वर्तमान अध्यक्ष श्री पवन कुमार जाजोदिया के नेतृत्व में अत्यंत सुंदर तरीके से संपन्न हुआ। कार्यक्रम संयोजक श्री विजय कुमार भीमसरिया ने कहा कि यह कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा। समाजबंधुओं की अधिक संख्या में उपस्थिति को देखते हुए शिविर दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया गया। डायग्नॉस्टिक के कर्मचारी एवं डाक्टरों को एवं उपस्थित शाखा सदस्यों को शिविर के सफल आयोजन पर तहेदिल से धन्यवाद दिया गया। ●

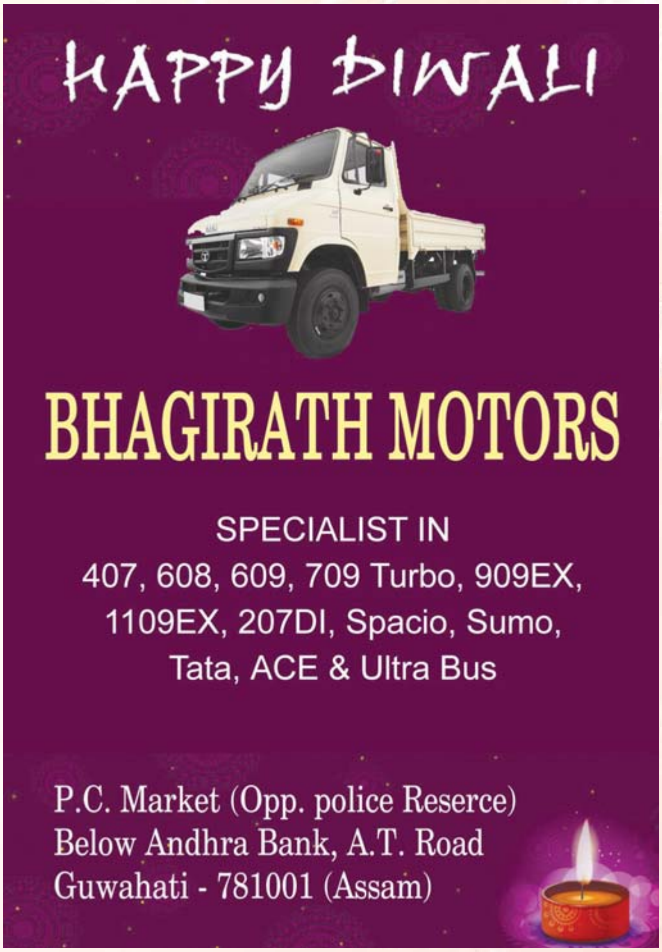

HAPPY DIWALI
BS
AUTOMOBILES
Looking Beyond Horizons
B.S. AUTOMOBILES
Mawlonghat, Shillong - 793002.
East Khasi Hills, Meghalaya.
India.

exclusive line
ck
ck
We deal in branded watches like Tissot, CK, Fossil, Skagen, Armani Exchange, Seiko.
Perfumes, Bags, Stationery Lifestyle Products, Household items, Premium Crockery, Home Decore Corporate Gifting and gifting for every individual and for all events also
Exclusive Line, 1st Floor, GMT Tower, MS Road, Fancy Bazar, Guwahati, Assam
Phon: 0361 2734723/ 2734384
THIS FESTIVE SEASON
SURPISE YOUR LOVED ONE'S
With our Exclusive Collections

dANCING kARMA
A COMPLETE FAMILY LOUNGE BAR
3rd Floor - G.S Road
Near Ulubari Flyover
LIVE MUSIC
NehaWith Prabir
8.Pm Onwards
Every
Friday,Saturday & Sunday

शाखा द्वारा बाढ़ राहत सामाग्री का वितरण

ब्रह्मपुत्र एवं सहायक नदियों का जलस्तर बढ़ने से राज्य में इस वर्ष आई भीषण बाढ़ से पीड़ित जन समुदाय के लिए मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा व मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा, गुवाहाटी के करीब 40 सदस्यीय दल ने 25 जुलाई को कामरूप जिले के पनीखेती, चंद्रपुर तथा गोवाली गांव में राहत शिविर लगाया। बाढ़ के पश्चात बढ़ने वाली बीमारियों एवं साफ सफाई को ध्यान में रखते हुए बाढ़ पीड़ितों के बीच खाद्य सामग्री के अलावा पीने का पानी, फिनाइल, ब्लीचिंग पाउडर, मोमबत्ती, माचिस, मॉस्क्विटो कॉइल आदि वितरित किये। बच्चों के लिए ग्लूकॉन-डी, न्यूट्रेला तथा बिस्कुट आदि दिए गए। बेघर हुए लोगों के लिए तिरपाल तथा प्लास्टिक की बाल्टियों की व्यवस्था भी की गई थी। पालतू पशुओं के लिए खुद्दी-चापर का इंतजाम भी किया गया था, जिसकी स्थानीय लोगों ने खूब प्रशंसा की। इस शिविर को सफल बनाने में दोनों शाखाओं के सदस्यों का पूर्ण सहयोग रहा। शिविर में सक्रिय भूमिका निभाने वालों में महिला शाखा की अध्यक्ष श्रीमती कंचन केजरीवाल, श्रीमती सरोज जालान, श्रीमती अनु गाड़ोदिया, श्रीमती सुलोचना बुड़ाकिया, श्रीमती सुनीता भिलवाड़िया, श्रीमती अनिता भारद्वाज, श्रीमती संगीता बड़जात्या, श्रीमती सत्य भातरा आदि सदस्याएं शामिल थीं। कामरूप शाखा की तरफ से अध्यक्ष श्री निरंजन कुमार सीकरिया, पूर्व अध्यक्ष सम्पत मिश्र, कार्यकारी अध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया, नि:वर्तमान अध्यक्ष श्री पवन कुमार जाजोदिया, उपाध्यक्ष श्री विजय भीमसरिया व श्री विजय अग्रवाल, मंत्री श्री दिनेश गुप्ता, संयुक्त मंत्री श्री अनुज चौधरी, श्री संजय खेतान, श्री अजित शर्मा, श्री रतन कुमार अग्रवाला, श्री रतन खाखोलिया, श्री विनीत गुप्ता, श्रीमती नीलम जाजोदिया, श्रीमती सुनीता गुप्ता, श्रीमती विनीता भीमसरिया, श्रीमती सरिता लोहिया आदि ने अपना भरपूर सहयोग दिया। ●

COSMO FLOORS
SUSHIL GOYAL
(HOUSE OF FLOORING, MATS AND CARPETS)
9864062557
G.D.SIKARIA COMPLEX,NEAR BANK OF BARODA, M.S.ROAD,FANCY BAZAR,GUWAHATI
CONTACT: SANGEET GOYAL: 8474013823, 9864063889,0361-2732267
EMAIL ID: cosmofloorsght@gmail.com

भरसक प्रयास किया गया है कि 'कामरूप दर्पण' के इस अंक में कोई त्रुटि ना रहे, परंतु भूल मानव का स्वभाव है, अत: कोई त्रुटि रह गई हो तो खेद है। कोई सुझाव हो तो kamrupdarpan@gmail.com के माध्यम से सूचित करें। **संपादक** - श्री विनोद कुमार लोहिया

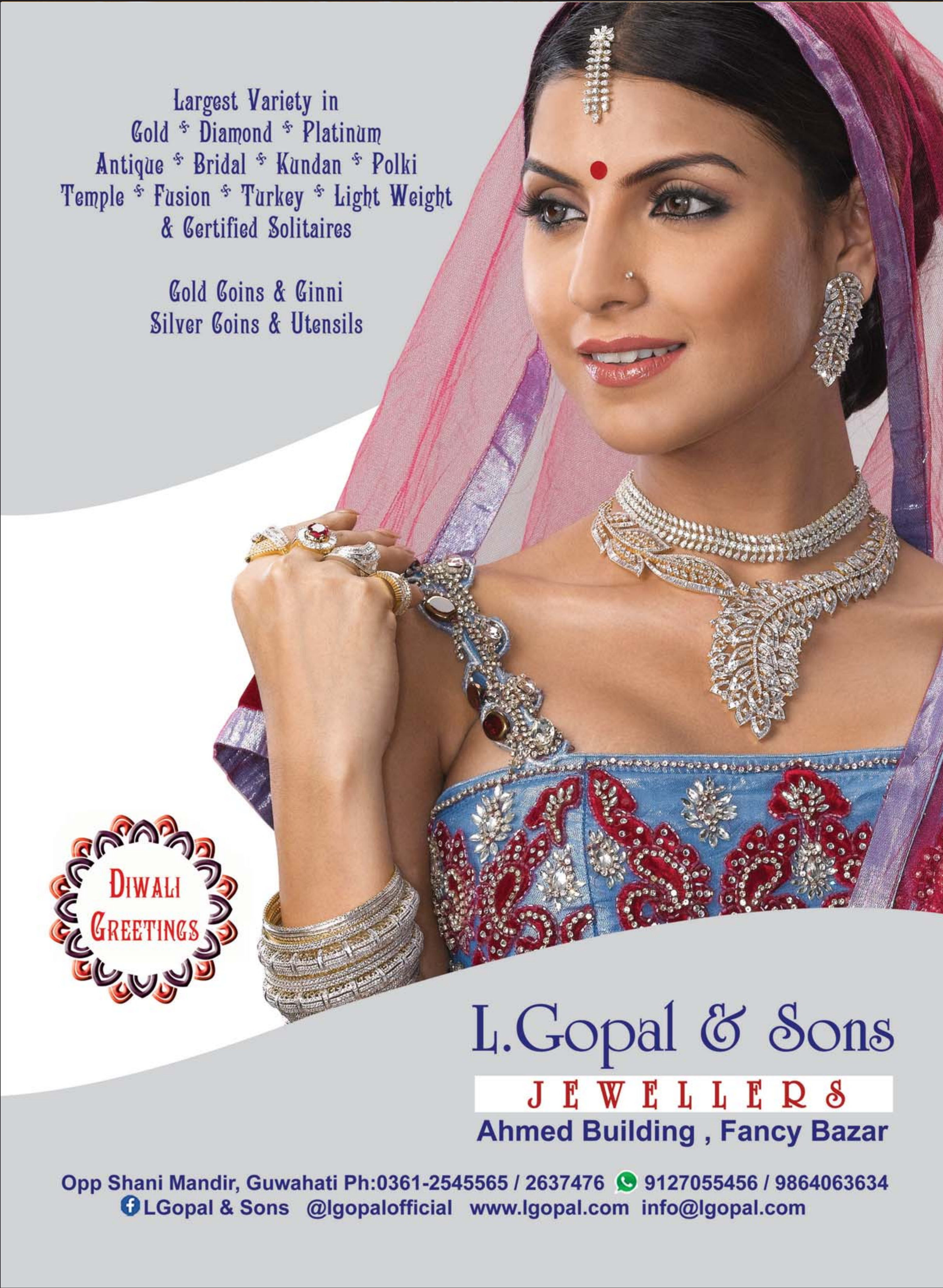
Largest Variety in
Gold ✣ Diamond ✣ Platinum
Antique ✣ Bridal ✣ Kundan ✣ Polki
Temple ✣ Fusion ✣ Turkey ✣ Light Weight
& Certified Solitaires
Gold Coins & Ginni
Silver Coins & Utensils
DIWALI GREETINGS
L.Gopal & Sons
JEWELLERS
Ahmed Building , Fancy Bazar
Opp Shani Mandir, Guwahati Ph:0361-2545565 / 2637476 9127055456 / 9864063634
LGopal & Sons @lgopalofficial www.lgopal.com info@lgopal.com

ICI

Since 1976

INDIAN CANVAS INDUSTRIES

e-mail : indiancanvas@gmail.com

Manufacturer of all types of Tents, Canvas/HDPE Tarpaulins, Automobile Hoods, Canopies, Mosquito Net FR, Coat Combat, Kit Bag, Kit Box (Steel), Synthetic/Cotton Web Items, Uniform Items and allied Textile Products.

GMR

GMR INFRACON

e-mail : gmrinfracon@gmail.com

Manufacturer of Concrete Paver Blocks, Fly Ash Bricks
Designer Coloured Parking Tiles & Pavers.

With Best Compliments From

Mukesh Kr. Jindal

923, Fatasil Main Road
Near R.G. Barua College
Guwahati-781009 (Assam)

Ph. : 0361-2472921
91 94350 44872